इंदौर, भोपाल, जबलपुर, मंडला, कटनी, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-1 अंक-173 ● इंदौर ● शुक्रवार, 13 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 3 ● विक्रम संवत् 2083

हार मान लेना कमजोरी है, और आगे बढ़ना ताकत की निशानी है।



ISIS से जुड़े विद्रोहियों का खूनी हमला, कांगो में की 22 लोगों की हत्या; 10 से ज्यादा का अपहरण

इतुरी, एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इस्लामिक स्टेट यानी कि ड्डस्छुर से जुड़े विद्रोहियों ने एक बार फिर खूनी हमले किए हैं। पिछले 2 दिनों में विद्रोहियों ने युगांडा की सीमा के पास स्थित कई दूरदराज के गांवों को निशाना बनाया। नागरिक संगठनों ने बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा लोगों का अपहरण कर लिया गया। हमलों के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। बता दें कि कुछ ही दिन पहले एक और अफ्रीकी देश नाइजीरिया में भी कत्लेआम हुआ था और 62 लोगों की हत्या कर दी गई थी।नागरिक संगठनों और मानवाधिकारों पर नजर रखने वाले दो समूहों के मुताबिक, ये हमले कांगो के पूर्वी इतुरी प्रांत के मंबासा इलाके में 8 अलग-अलग स्थानों पर किए गए। हमलों को अंजाम देने वाले विद्रोही संगठन का नाम एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज या ष्ठस्स है। यह संगठन लंबे समय से इस क्षेत्र में सक्रिय है और आम नागरिकों को निशाना बनाता रहा है।

50 हजार की रिश्वत लेते डाक अधीक्षक गिरफ्तार, सहयोगी क्लर्क भी पकड़ा

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चंपारण प्रमंडल के डाक अधीक्षक संजीव शरण सुमन को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में उनके सहयोगी क्लर्क अभिषेक को भी गिरफ्तार किया गया है। पटना से पहुंची सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम ने शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद टीम अपने साथ पटना ले गई। कार्रवाई की खबर फैलते ही डाक विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, मलाही डाकघर में पदस्थ कर्मचारी राहुल झा ने डाक अधीक्षक के खिलाफ सीबीआई से शिकायत की थी। शिकायत में रिश्वत मांगे जाने का आरोप लगाया गया था। इसके बाद पटना से सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम मोतिहारी पहुंची और मामले की जांच के बाद कार्रवाई की तैयारी की।

महाराष्ट्र तीन समुद्र तटों को मिला अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग सम्मान

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। राज्य के तीन समुद्र तटों को पहली बार प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग प्रमाणन मिला है। इनमें रत्नागिरी जिले के लाडघर और गुहागर तथा रायगढ़ जिले का श्रीवर्धन समुद्र तट शामिल हैं। वर्ष 2026-27 के लिए मिली इस मान्यता से अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर महाराष्ट्र की पहचान और मजबूत होने की उम्मीद है।अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग जूरी ने निर्धारित गुणवत्ता मानकों के आधार पर इन समुद्र तटों का चयन किया है। इसके लिए समुद्र तटों की स्वच्छता, पानी की गुणवत्ता, जैव विविधता का संरक्षण, पर्यटकों की सुरक्षा, बुनियादी सुविधाओं और सतत पर्यटन प्रबंधन जैसे मानकों को आधार बनाया गया। इस उपलब्धि के पीछे राज्य के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायतों और बीच मैनेजमेंट कमेटियों के संयुक्त प्रयास रहे हैं।

किश्तवाड़ से लापता दो SPO के गोलियों से छलनी शव बरामद, हथियार नहीं मिले



किश्तवाड़ , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले से अचानक लापता हुए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) के शव बरामद होने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। दोनों के शव गोलियों से छलनी हालत में बरामद किए गए हैं. खास बात यह है कि उनके सर्विस हथियार मौके से नहीं मिले हैं. इससे घटना में आतंकियों की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है. हालांकि, अधिकारियों ने अभी किसी आतंकी हमले की पुष्टि नहीं की है. मृतकों की पहचान ऋषिपाल और बॉबी चंद के रूप में हुई है

दोनों स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) का हिस्सा थे और सेना के एक दल को रिलीव करने के लिए जा रहे थे। उनके शव मिलने के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, किश्तवाड़ जिले के मारवाह क्षेत्र के देहरना जंगल में फायरिंग की आवाज सुनाई देने के बाद दोनों एसपीओ अचानक लापता हो गए थे। दोनों कियार दच्छन से अपर रिज देहरना के इंदरवन इलाके में बसनान स्थित सेना की 17 राष्ट्रीय राइफल्स की एक टीम को रिलीव करने के लिए रवाना हुए थे। अधिकारियों के मुताबिक, वे कियार कैंप से ढारना-मारवाह स्थित सेना की चौकी की ओर निकले थे, लेकिन निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंचे। शुरुआत में दोनों जवानों के मोबाइल फोन पर संपर्क हो रहा था, लेकिन कुछ समय बाद उनके फोन बंद हो गए। इसके बाद उनकी सुरक्षा और ठिकाने को लेकर चिंता बढ़ गई। पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स ने संयुक्त रूप से दुर्गम पर्वतीय और जंगल क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। आसपास के इलाकों में सुरक्षा बलों की टीमें तैनात कर दोनों की तलाश की जा रही थी। आखिरकार तलाशी अभियान के दौरान दोनों के शव बरामद हुए। सूत्रों के मुताबिक, दोनों के शरीर पर गोलियों के निशान मिले हैं। इस घटना ने किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि घटना के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों और संभावित आतंकी संलिप्तता के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

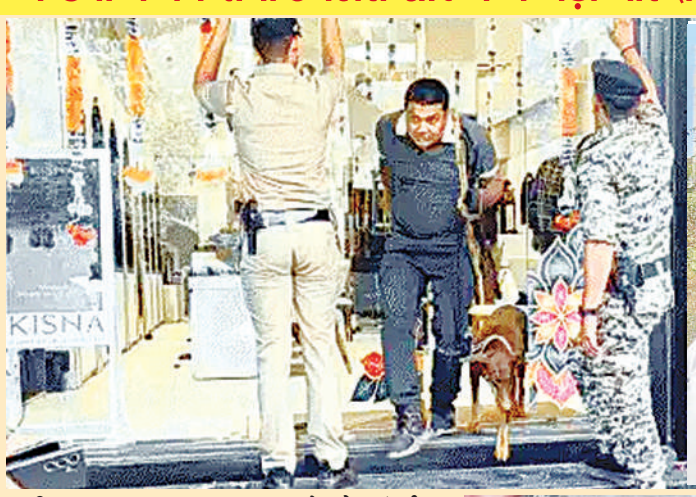
रसगुल्ला समझकर मुंह में रखा, चबाते ही फटा सुअरमार बम, युवक की मौत

परिचित पर मिठाई बताकर विस्फोटक खिलाने का आरोप, जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त; हत्या और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज

डिंडौरी, यशभारत। मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले के पड़रिया छांटा गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक को उसके ही परिचित ने कथित तौर पर रसगुल्ला बताकर सुअरमार बम दे दिया। युवक ने मिठाई समझकर उसे मुंह में रखा और जैसे ही दांतों से दबाया, जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि युवक का जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गंभीर हालत में परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, पड़रिया छांटा निवासी राजेंद्र बरौतिया (35) मंगलवार शाम करीब सात बजे परिवार के साथ खाना खाने के बाद घर के आंगन में आग ताप रहा था। इसी दौरान रात करीब आठ बजे गांव का ही रामभगत बरौतिया उसके पास पहुंचा। दोनों के बीच बातचीत चल रही थी। आरोप है कि इसी दौरान रामभगत ने अपने पास रखा सुअरमार बम राजेंद्र को रसगुल्ला बताकर खाने के लिए दे दिया। राजेंद्र ने भी परिचित की बात पर भरोसा करते हुए उसे मिठाई समझकर मुंह में रख लिया। जैसे ही उसने दांतों से उसे दबाया, तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया। अचानक हुए धमाके से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राजेंद्र गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। विस्फोट में राजेंद्र का जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। परिजन आनन-फानन में उसे ऑटो से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे के अनुसार, मामले में रामभगत बरौतिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 और विस्फोटक अधिनियम की धारा 3 एवं 4 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। फिलहाल घटना के पीछे की वजह और विस्फोटक युवक को किस परिस्थिति में दिया गया, इसकी जांच की जा रही है।

न शटर तोड़ा, न ताला खोला... दीवार में सेंध लगाकर करोड़ों के गहने ले उड़े चोर

कटनी के किसना ज्वेलरी शोरूम में बड़ी वारदात ,15 करोड़ की चोरी पुलिस के लिए चुनौती





कटनी, यशभारत। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बरगवां स्थित एलआईसी के पास किसना ज्वेलर्स शो रूम में हुई करीब 12 से 15 करोड़ की चोरी ने भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय तक सनसनी मचा दी है। खबर है कि पुलिस मुख्यालय में आईजी जबलपुर से वारदात के संबंध में पूरी जानकारी मांगी है। एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने कई घंटे रुककर किसना शो रूम और पीछे लगी पहाड़ी और झाड़ियों में जाकर तफ्तीश की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक कटनी में अब तक की सबसे बड़ी चोरी की वारदात में किसी बाहरी चोर गिरोह का हाथ भी हो सकता है। वारदात की टाइमिंग और तरीके से जाहिर होता है कि चोर पूरी तैयारी से थे और उन्होंने करीब दो तीन दिन शो रूम की रैकी भी की होगी।

शो रूम मेन रोड पर है, लेकिन इसका पिछला हिस्सा रात्रि के बाद सुनसान इलाके में तब्दील हो जाता है। इसके अलावा झाड़ियां और पहाड़ी भी लगी हुई है। चोरों ने इत्मीनान से पीछे की दीवार में छेद किया और अंदर घुसे। चोर अपने साथ अलमारी या काटने का पूरा इंतजाम भी करके आए थे। पुलिस को गैस सिलेंडर भी मिले है, जिससे जाहिर हो रहा है कि लॉकर काटने के लिए उन्होंने गैस कटर का इस्तेमाल किया होगा।पुलिस सूत्रों के मुताबिक वारदात रात्रि 3 बजे से 6 बजे के बीच की है। वारदात को अंजाम देने वाले शातिर चोर 4 या उससे ज्यादा रहे होंगे। पीछे से शो रूम में घुसने के बाद वहां रखे सोने, चांदी तथा डायमंड के कीमती आभूषण लेकर किसी चार पहिया वाहन से फरार हुए होंगे। डॉग स्क्वाड सारी निशानदेही की पतासाजी कर रही है। बताया जाता है कि दीपावली के त्योहार के चलते शोरूम में करोड़ों रुपये का अतिरिक्त स्टॉक रखा हुआ था।



12 करोड़ से अधिक क माल : शो रूम संचालक

शो रूम संचालक मोहन बजाज ने मीडिया को बताया कि चोरी गए आभूषणों की कीमत 12 से 15 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है। उन्होंने कहा कि सारे आभूषण का रिकॉर्ड कम्प्यूटर पर होता है, जिसके आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सुबह 11 बजे जब शो रूम के कर्मचारियों ने शटर उठाया, तब उन्हें इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने तत्काल फोन पर सूचना दी। इस बड़ी वारदात से शहर के व्यापारिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बड़े शो रूम के संचालक इस वारदात के बाद दहशत में आ गए है।

एसपी सहित पुलिस अधिकारियों ने किया निरीक्षण

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. कमल मौर्य सहित माधवनगर थाना पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने शोरूम के अंदर से लेकर पिछले हिस्से तक का बारीकी से निरीक्षण किया। घटनास्थल से पुलिस को पाना, प्लास और पेचकस सहित कुछ औजार मिले हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। साक्ष्य जुटाने के लिए फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और डॉग स्क्वाड की मदद भी ली जा रही है।

12 से 15 करोड़ के आभूषण चोरी होने की जानकारी

चोरी गए आभूषणों की कीमत को लेकर शुरुआती आंकड़ों में अंतर सामने आया है। शोरूम संचालक मोहन बजाज के मुताबिक दुकान में करीब 12 से 15 करोड़ रुपये के आभूषण रखे हुए थे। वहीं पुलिस अधीक्षक के शुरुआती आकलन के अनुसार लगभग 10 करोड़ रुपये की ज्वेलरी चोरी होने की आशंका है। हालांकि चोरी गए आभूषणों की वास्तविक कीमत का पता स्टॉक रजिस्टर और अन्य दस्तावेजों के मिलान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पुलिस शोरूम और आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। माधवनगर थाने से कुछ ही दूरी पर हुई इस बड़ी वारदात ने पुलिस पर भी सवालिया निशान लगा दिया है। पुलिस ने अपनी जांच में विशेष रूप से अलसुबह के समय की गतिविधियों को जांच के दायरे में लिया है, ताकि चोरों के आने-जाने के रास्ते और उनकी पहचान का पता लगाया जा सके। व्यस्त बरगवां मार्ग पर स्थित प्रतिष्ठित ज्वेलरी शोरूम में इतनी बड़ी चोरी ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था और रात्रिकालीन पुलिस गश्त पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। करोड़ों के कारोबार वाले प्रतिष्ठान में दीवार तोड़कर चोरों का दाखिल होना और फिर बड़ी मात्रा में आभूषण लेकर फरार हो जाना पुलिस के लिए भी बड़ी चुनौती बन गया है। फिलहाल पुलिस की टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

पेपर लीक रोकने NTA का बड़ा फैसला रिटायर्ड फौजियों की निगरानी में होंगी JEE-NEET जैसी परीक्षाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी को रोकने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) लगातार बड़े कदम उठा रही है। अब एजेंसी परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने और एस्पिरेंट्स को भरोसा जीतने के लिए रिटायर्ड फौजियों की मदद लेने का फैसला किया है। सेना और पैरामिलिट्री से रिटायर्ड को JEE, NEET, NET, CUET जैसी बड़ी परीक्षाओं की निगरानी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

दरअसल, नीट यूजी मई पेपर लीक के चलते विवादों में घिरने के बाद, एनटीए बड़े पैमाने पर सुधार और बदलाव कर रही है। 21 जून 2026 को नीट यूजी री-एग्जाम में लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट में सेना की मदद लेने के बाद, अब एनटीए आगे भी सेना की मदद लेने पर विचार रही है।एनटीए स्वतंत्र पर्यवेक्षकों (ऑब्जर्वर्स) का एक परमानेंट पूल तैयार कर रही है, जिसमें सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों के सेवानिवृत्त कर्मी, केंद्र और राज्य सरकारों के सेवानिवृत्त अधिकारी शामिल होंगे। एनटीए के %एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट% (EOI) डॉक्यूमेंट में कहा गया है, %हर परीक्षा के दिन, NTA हर परीक्षा केंद्र पर एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) तैनात करता है। ये ऑब्जर्वर सेंटर पर NTA का अपना प्रतिनिधि करेंगे, जो सिटी कोऑर्डिनेटर और सेंटर सुपरिंटेंडेंट से अलग होंगे। इनका काम परीक्षा की निष्पक्षता, सुरक्षा और सुचारू संचालन की निगरानी करना और सीधे NTA को रिपोर्ट करना होगा।

इसमें आगे कहा गया है, पूरे साल चलने वाली परीक्षा प्रक्रिया के दौरान इस जरूरत को समय पर और भरोसेमंद तरीके से पूरा करने के लिए, ह्रञ्ज पर्यवेक्षकों का एक स्थायी और पहले से सत्यापित (pre-verified) पूल बनाना चाहता है। इसमें सरकारी संस्थानों के सेवानिवृत्त या कार्यरत शैक्षणिक और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल होंगे। इस पूल से, हर परीक्षा के लिए काफी पहले ही तैनाती के आदेश जारी किए जा सकेंगे।

अंडर-19 एशिया कप फाइनल भारत-पाकिस्तान फिर 14 नवंबर को खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर अंडर-19 एशिया कप का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। 14 नवंबर को होने वाले फाइनल में दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें आमने-सामने होंगी। पिछले संस्करण के फाइनल में भी भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत हुई थी, जिसमें पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 191 रन के बड़े अंतर से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस बार भारतीय टीम के पास पिछली हार का बदला लेने और खिताब जीतने का मौका होगा। गुरुवार को ओमान के मस्कट में खेले गए पहले सेमीफाइनल में भारत ने अफगानिस्तान को 8 विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 9 विकेट से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट पर 227 रन बनाए। टीम की ओर से नुमान सालारजई और शाह फैसल रहीमी ने 51-51 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। भारत की ओर से ईशान सूद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 9 ओवर में 43 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। आर्यन सावसानी ने भी 2 विकेट लेकर अफगानिस्तान की रन गति पर अंकुश लगाया।228 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। भारत ने महज 36.5 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने 57 गेंदों में 51 रन की उपयोगी पारी खेली। वहीं कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 93 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वीके विनीत 57 रन बनाकर नाबाद रहे।



लक्ष्य रायचंदानी- 93 रन

बंटवारे के बाद पोता दादा की संपत्ति में नहीं मांग सकता हिस्सा

सुप्रीम कोर्ट बोला- पिता को मिला हिस्सा निजी संपत्ति, जन्म से नहीं बनता अधिकार



नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पैतृक संपत्ति में पोते के अधिकार को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि दादा की मृत्यु के बाद उनकी संपत्ति हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के तहत कानूनी वारिसों में बंट चुकी है, तो पोता केवल जन्म के आधार पर उसमें अपना हिस्सा नहीं मांग सकता। बंटवारे में पिता को मिला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति माना जाएगा और वह अपने बच्चों के लिए स्वतः संयुक्त परिवार की संपत्ति नहीं बन जाता। जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की पीठ ने चेन्नई की 1,811 वर्गफीट की संपत्ति से जुड़े मामले में यह फैसला सुनाया। निर्णय 6 नवंबर को दिया गया, जिसकी जानकारी 11 नवंबर को सामने आई।

यह था पूरा मामला

चेन्नई में स्थित इस संपत्ति के मूल मालिक पोते के दादा थे। दादा की मृत्यु के बाद उनकी बेटी यानी पोते की बुआ ने 1993 में संपत्ति के बंटवारे का मुकदमा दायर किया। फरवरी 1994 में समझौते के जरिए संपत्ति का बंटवारा हुआ, जिसमें पोते के पिता को भी हिस्सा मिला। इसके बाद पिता ने अप्रैल 1997 में दो सेल डीड के माध्यम से अपना हिस्सा बेच दिया।जनवरी 1994 में जन्मे पोते ने अपनी मां के जरिए 1997 में बंटवारे का मुकदमा दायर किया था। उसका दावा था कि उसे जन्म से ही दादा की संपत्ति में सहदायिक अधिकार प्राप्त है और पहले हुए बंटवारे में उसे शामिल नहीं किया गया। इसलिए उसे भी संपत्ति में आधा हिस्सा मिलना चाहिए।

1986 के फैसले का दिया हवाला

सुप्रीम कोर्ट ने पोते की दलील खारिज करते हुए कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के तहत दादा की संपत्ति उनके क्लास-1 कानूनी वारिसों को मिली थी। इनमें बेटा, बेटी, पत्नी और मां शामिल हैं। इस व्यवस्था के तहत पिता को मिला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति बन गया था। ऐसी संपत्ति बच्चों के लिए स्वतः संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति नहीं बनती।

सोनिया ने 1984 के सिख कत्लेआम पर जनरल वैद्य को ठहराया जिम्मेदार, फूलका ने उठाए सवाल

लुधियाना, एजेंसी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग-ए जर्नी ऑफ लव' के 17वें अध्याय में 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर किए गए खुलासों से पंजाब की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया है। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में दावा किया है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली में भड़की हिंसा को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलाने के आदेश 31 अक्टूबर की रात ही दे दिए गए थे, लेकिन तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य ने दिल्ली के नजदीकी सैन्य ठिकानों से सेना बुलाने के बजाय देहरादून से सैन्य टुकड़ियां मंगवाईं। इस फैसले के कारण सेना की तैनाती में देरी हुई और हिंसा पर काबू पाने में समय लगा।



सोनिया गांधी के इन दावों पर भाजपा नेता और 1984 के सिख दंगा पीड़ितों की ओर से कानूनी लड़ाई लड़ने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फूलका ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में पहले से ही करीब 6100 सैनिक मौजूद थे, तो उन्हें दंगों के दौरान सड़कों पर क्यों नहीं उतारा गया? फूलका ने यह भी सवाल किया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हिंसा के बाद यह बयान क्यों दिया था कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है। उन्होंने कहा कि इस बयान के जरिए सिखों के नरसंहार को जायज ठहराने की कोशिश की गई थी। ऐसे में केवल सेना की देरी को जिम्मेदार बताकर उस समय की राजनीतिक और प्रशासनिक जवाबदेही से बचा नहीं जा सकता। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देशभर में बिगड़े हालात और दिल्ली में भड़की हिंसा का जिक्र करते हुए अपने परिवार का पक्ष रखा है। उन्होंने लिखा है कि 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजधानी सहित देश के कई हिस्सों में तनाव फैल गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोगों को हिंसा का सामना करना पड़ा। किताब के मुताबिक, प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के तुरंत बाद 31 अक्टूबर की रात राजीव गांधी ने राष्ट्रीय टेलीविजन के माध्यम से देश को संबोधित किया था। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और संयम बरतने की अपील की थी। सोनिया गांधी का दावा है कि राजीव गांधी ने एक और दो नवंबर को भी अलग-अलग माध्यमों से लोगों से हिंसा रोकने और शांति बनाए रखने की अपील की थी। सोनिया ने लिखा है कि तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य को इंदिरा गांधी की हत्या वाली रात ही दिल्ली में सेना तैनात करने के निर्देश दे दिए गए थे।



शिवराज की मां का त्रयोदशी में रक्षा मंत्री-लोकसभा अध्यक्ष समेत 3 राज्यों के सीएम पहुंचे

भोपाल, यशभारत। भोपाल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मां काशीबाई के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने और श्रद्धांजलि देने के लिए देशभर से वरिष्ठ नेता पहुंचे। गुरुवार को नर्मदापुरम रोड स्थित वृंदावन गार्डन में उनकी त्रयोदशी और शांति भोज का आयोजन किया गया। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित कई राज्यों के मंत्री, सांसद और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। योगी आदित्यनाथ ने शिवराज सिंह चौहान की पोती इला को दुलार किया। इस दौरान शिवराज की बहू अमानत ने योगी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

भाजपा को चुनौती देने के लिए नई पीढ़ी पर दांव, बोले- पटवारी और सिंघार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा अगला विधानसभा चुनाव

2028 की सियासी पिच पर पटवारी-सिंघार की जोड़ी! दिग्विजय सिंह ने खोले कांग्रेस के भविष्य के पत्ते

भोपाल, यश भारत।

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2028 की सियासी बिसात अभी से बिछने लगी है। कांग्रेस ने भी आगामी चुनाव को लेकर अपनी रणनीति के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के एक बयान ने प्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने संकेत दिया है कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में लड़ेगी। इस बयान को प्रदेश कांग्रेस में नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।







गुटबाजी से इनकार, युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने के संकेत

दिग्विजय सिंह इन दिनों सत्य सनातन यात्रा पर हैं। इसी दौरान उनके राजनीतिक बयानों ने कांग्रेस की भावी रणनीति को लेकर चर्चाएं तेज कर दी हैं। उन्होंने पार्टी में किसी तरह की गुटबाजी होने से इनकार करते हुए जीतू पटवारी और उमंग सिंघार की जोड़ी पर भरोसा जताया है। उनके इस बयान को राहुल गांधी से हालिया मुलाकातों के बाद कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर बन रही नई सहमति से भी जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने भी दोनों नेताओं की सक्रियता का समर्थन किया है। उनका कहना है कि जीतू पटवारी और उमंग सिंघार अपने-अपने स्तर पर प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर पार्टी उन्हें भविष्य में बड़ी जिम्मेदारियां सौंप सकती है।

भाजपा ने कसा तंज, कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति पर उठाए सवाल- दिग्विजय सिंह के बयान पर भाजपा ने भी प्रतिक्रिया देने में देर नहीं की। भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने इसे कांग्रेस का आंतरिक मामला बताते हुए तंज कसा। उन्होंने दिग्विजय सिंह के बयान को लेकर उनके परिवार और बेटे के राजनीतिक भविष्य पर भी कटाक्ष किया। दरअसल कांग्रेस के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती प्रदेश में संगठन को मजबूत करने और भाजपा के मजबूत चुनावी ढांचे का मुकाबला करने की है। ज्योतिरादित्य सिंधिया और सुरेश पचौरी जैसे नेताओं के पार्टी से अलग होने तथा कमलनाथ की सक्रियता सीमित होने के बीच नई पीढ़ी को आगे करना कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सवाल सिर्फ चेहरे का नहीं, जीत की रणनीति का भी

दिग्विजय सिंह के बयान से यह साफ संकेत मिला है कि कांग्रेस 2028 के चुनाव में युवा नेतृत्व को आगे रखकर मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। हालांकि, चुनावी नेतृत्व की तस्वीर और अंतिम रणनीति पर पार्टी का आधिकारिक फैसला अभी महत्वपूर्ण रहेगा।

2018 की जीत से 2023 की हार तक, कांग्रेस के सामने बड़ी चुनौती

मध्य प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस के लिए 2028 का चुनाव आसान नहीं रहने वाला है। वर्ष 2018 में कांग्रेस ने 114 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, लेकिन मार्च 2020 में राजनीतिक घटनाक्रम के बाद उसे सत्ता गंवानी पड़ी। इसके बाद 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज कर सत्ता में वापसी की। अब जीतू पटवारी और उमंग सिंघार के सामने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने और जनता के बीच कांग्रेस का भरोसा दोबारा कायम करने की चुनौती होगी।

बड़ा सवाल यही है कि क्या पटवारी-सिंघार की जोड़ी कांग्रेस को सत्ता के करीब पहुंचा पाएगी या भाजपा के मजबूत संगठन के सामने उसे एक बार फिर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल, दिग्विजय सिंह के बयान ने 2028 की चुनावी राजनीति का माहौल समय से पहले गर्म कर दिया है।



संभावित रेल हादसे टालने वाले भोपाल मंडल के दो रेलकर्मी सम्मानित

बीना के लोको पायलट महेंद्र सिंह यादव और गुना के ट्रेन मैनेजर संजीव मीणा को मिला संरक्षा पुरस्कार

भोपाल,यश भारत। रेल परिचालन के दौरान सतर्कता और सूझबूझ दिखाकर संभावित हादसों को टालने में अहम भूमिका निभाने वाले भोपाल मंडल के दो रेलकर्मियों को उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने बीना के लोको पायलट महेंद्र सिंह यादव और गुना के ट्रेन मैनेजर (गुड्स) संजीव कुमार मीणा को यह सम्मान प्रदान किया। दोनों कर्मचारियों ने अक्टूबर माह में ड्यूटी के दौरान तकनीकी खामियों और संभावित खतरों की समय रहते पहचान कर निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत कार्रवाई की। इससे संभावित रेल दुर्घटनाओं को टालने में मदद मिली। पश्चिम मध्य रेल के विभिन्न मंडलों के कुल छह कर्मचारियों को उत्कृष्ट संरक्षा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक ने कर्मचारियों की सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षित रेल संचालन में समय पर खतरे की पहचान और त्वरित कार्रवाई बेहद जरूरी है।

छठ महापर्व को लेकर घाटों की सजावट और मरम्मत शुरू

कुंडों की रंगाई-पुताई के साथ साफ-सफाई पर जोर

भोपाल, यश भारत।

छठ महापर्व को देखते हुए नगर निगम ने शहर के विभिन्न छठ घाटों और कुंडों को व्यवस्थित करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत घाटों पर रंगाई-पुताई साफ-सफाई और क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत का काम कराया जा रहा है। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर निगम का अमला पर्व से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी करने में जुटा है। घाटों और छठ कुंडों की रंगाई-पुताई के साथ आवश्यक सिविल कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। साथ ही साफ सफाई और मरम्मत कार्य भी लगातार किए जा रहे हैं। निगम का उद्देश्य छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है ताकि व्रती और श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर सकें। निगम अधिकारियों के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूरी करने के प्रयास किए जा रहे हैं।



बकाया कर जमा नहीं करने पर दो संपत्तियां कुर्क

अरेरा कॉलोनी और जिंसी में निगम की कार्रवाई, एक भवन सील तो दूसरे पर की कुर्की

भोपाल, यश भारत। नगर निगम ने संपत्तिकर और अन्य करों की बकाया राशि जमा नहीं करने वाले दो बकायादारों के खिलाफ कुर्की और तालाबंदी की कार्रवाई की। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर जोन क्रमांक 10 के अमले ने यह कार्रवाई की। पहली कार्रवाई वार्ड क्रमांक 42 के जिंसी क्षेत्र में भवन ऑफिस क्रमांक 17ए पर की गई। भवन स्वामी गोविंदराम ज्ञानचंदानी पर संपत्तिकर सहित अन्य करों के 10 लाख 58 हजार 588 रुपये बकाया थे। राशि जमा नहीं करने पर निगम ने भवन को सील कर दिया। वहीं वार्ड क्रमांक 45 की अरेरा कॉलोनी ई-1 स्थित भवन क्रमांक 203 के मालिक प्रमोद तामोट पर 94 हजार 734 रुपये बकाया होने के चलते संपत्ति कुर्क की गई। निगम के अनुसार दोनों बकायादारों को पूर्व में नोटिस जारी किए गए थे लेकिन भुगतान नहीं होने पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई जोनल अधिकारी शैलेष चौहान सहित निगम अमले ने की।



फार्माकोलॉजी विभाग ने जीते तीन पुरस्कार, डॉ. चिराग अग्रवाल को दोहरी सफलता

एपीपीएससीओएन-2026 में एम्स भोपाल का शानदार प्रदर्शन

भोपाल , यश भारत।

एम्स भोपाल के फार्माकोलॉजी विभाग ने राष्ट्रीय स्तर के 8वें एपीपीएससीओएन 2026 सम्मेलन में तीन पुरस्कार हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया। एम्स मंगलगिरी में आयोजित आंध्र प्रदेश फार्माकोलॉजिकल सोसायटी के सम्मेलन में विभाग के रेजिडेंट और फैकल्टी सदस्यों ने शोध प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जूनियर रेजिडेंट डॉ. चिराग अग्रवाल ने मौलिक शोध की मौखिक प्रस्तुति में प्रथम और मोटापे के औषधीय प्रबंधन पर समीक्षा पोस्टर प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं अतिरिक्त प्राध्यापक डॉ. अजय शुक्ला को मोटापे के उपचार में जीआईपी और जीएलपी 1 आधारित दवाओं की प्रभावशीलता पर समीक्षा के लिए प्रथम पुरस्कार मिला। इसके अलावा डॉ. अहमद नजमी ने कृत्रिम हृदय वाल्व वाले मरीजों में दवा की खुराक और आनुवंशिक भिन्नताओं पर शोध प्रस्तुत किया। विभागाध्यक्ष डॉ. बालकृष्णन एस ने आमंत्रित व्याख्यान दिया।





एम्स भोपाल में अंगदान से पांच लोगों को मिलेगी नई जिंदगी

भोपाल,यश भारत। अपनों को खोने के गहरे दुख के बीच स्वर्गीय सुमित सोनी के परिजनों ने अंगदान का साहसिक निर्णय लेकर मानवता की मिसाल पेश की। उनके इस निःस्वार्थ फैसले से पांच जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन और आंखों की रोशनी मिलने की उम्मीद जगी है। एम्स भोपाल के चिकित्सकों ने एक किडनी का सफल प्रत्यारोपण संस्थान में भर्ती मरीज में किया। वहीं दूसरी किडनी और लिवर को ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से प्रत्यारोपण के लिए बंसल अस्पताल भेजा गया। इसके अलावा दोनों कॉर्निया एम्स के आई बैंक में सुरक्षित रखे गए हैं, जिनसे जरूरतमंद मरीजों की आंखों की रोशनी लौटाई जा सकेगी। इस पूरी प्रक्रिया में चिकित्सकों, ट्रांसप्लांट को ऑर्डिनेटर्स अस्पताल प्रशासन और यातायात पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वर्गीय सुमित सोनी को मध्यप्रदेश पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई दी। परिजनों के इस निर्णय की व्यापक सराहना की जा रही है।

सरयू सरोवर पार्क में छठ पूजा के लिए बने दो सर्वसुविधायुक्त कुंड, पांच हजार श्रद्धालुओं को मिलेगी सुविधा



भोपाल,यश भारत।

छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर निगम भोपाल द्वारा विशेष तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में अयोध्या नगर स्थित सरयू सरोवर पार्क में दो सर्वसुविधायुक्त छठ कुंड विकसित किए गए हैं। पहले यहां केवल एक कुंड की व्यवस्था थी जिसे बढ़ाकर अब दो कर दिया गया है। साथ ही पूरे पार्क को भी आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया है। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर छठ पूजा की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत शहर के पुराने एवं परंपरागत छठ कुंडों और घाटों की रंगाई पुताई क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत तथा आवश्यक सिविल कार्य प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं। वार्ड क्रमांक 68 के सरयू सरोवर पार्क में विकसित किए गए इन नए कुंडों से छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना में सुविधा मिलेगी। निगम के अनुसार यहां पांच हजार से अधिक श्रद्धालु सुगमता से छठ पूजा के कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे।

कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप में चमके मप्र के खिलाड़ी

गर्गी सिंह ने दो और अमेय कटारे ने जीता एक कांस्य पदक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया देश का मान



भोपाल,यश भारत। स्कॉटलैंड में आयोजित 12वीं कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन कांस्य पदक हासिल किए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की कराटे अकादमी भोपाल की खिलाड़ी गर्गी सिंह परिहार ने दो कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। वहीं अमेय कटारे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए एक कांस्य पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। इस सफलता में कोच दीपक सिंह और कुलदीप सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ी लगातार अभ्यास कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कराटे अकादमी परिवार ने उन्हें बधाई दी। साथ ही खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग और प्रोत्साहन के प्रति आभार जताया। खिलाड़ियों की सफलता को प्रदेश की खेल प्रतिभा के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

सीमांकन के लिए 15 दिन का विशेष अभियान, शत-प्रतिशत कार्रवाई के निर्देश

भोपाल , यश भारत।

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने भोपाल संभाग के सभी जिलों में सीमांकन के लंबित मामलों के निराकरण के लिए 15 दिन का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नामांतरण और बंटवारे के 50 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने को कहा। भोपाल जिले में नामांतरण के 14 हजार 661 लंबित मामलों पर उन्होंने नाराजगी जताई। बुधवार को राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में संभागायुक्त ने समय-सीमा से बाहर प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। हुजूर तहसील के अपर तहसीलदार न्यायालय में पेशी से हटे 1958 लंबित प्रकरणों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए। लापरवाही बरतने वाले तहसीलदार और नायब तहसीलदारों का नियमानुसार वेतन काटने को कहा। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के तहत वन ग्रामों को राजस्व ग्राम बनाने की प्रक्रिया भी समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।



आज से लागू होंगी नई दरें, ताजा दूध भी 2 प्रति लीटर महंगा; रसोई का बजट होगा प्रभावित

महंगाई का झटका: अमूल दूध हुआ महंगा, गोल्ड के दाम में 4 की बढ़ोतरी

भोपाल यश भारत।

देशभर में बढ़ती महंगाई के बीच आम उपभोक्ताओं को एक और झटका लगा है। मदर डेयरी के बाद अब प्रमुख डेयरी कंपनी अमूल ने भी दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। नई दरें 12 नवंबर 2026 से लागू कर दी गई हैं। कंपनी की नई दरों के अनुसार अमूल गोल्ड की कीमत में ?4 प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। इसके बाद इसकी कीमत ?70 से बढ़कर ?74 प्रति लीटर हो गई है। वहीं अमूल ताजा दूध भी ?2 प्रति लीटर महंगा हो गया है। कंपनी के मुताबिक हरा और सूखा चारा पशु आहार पैकेजिंग तथा माल ढुलाई की लागत में लगातार बढ़ोतरी के चलते कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इस वृद्धि को करीब 4 से 5 प्रतिशत बताया गया है। दूध की कीमतों में इजाफे से आम परिवारों का मासिक बजट प्रभावित होना तय है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे उपभोक्ताओं पर अब अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।



दिवाली पर पटाखों से चौटिल हुए 10 मरीजों का सेवासदन में हुआ इलाज

हिरदाराम नगर.

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में दीपावली के दौरान आतिशबाजी से घायल हुए 10 मरीजों का इलाज कर उनकी आंखों की रोशनी बचाई गई। 8 और 9 नवंबर की मध्यरात्रि पटाखों की वजह से चोटिल हुए इन मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा देने के लिए



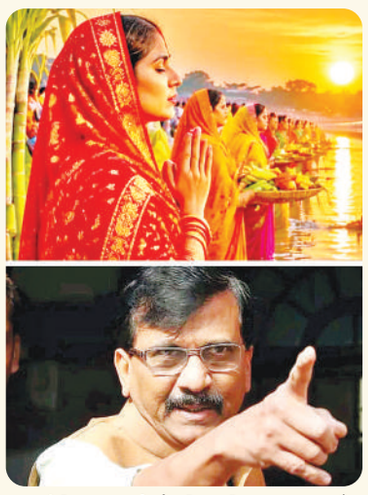
अस्पताल में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की 24 घंटे की आकस्मिक नेत्र चिकित्सा सेवा तैनात की गई थी। त्वरित और सफल उपचार पाने वाले मरीजों में सीहोर के 26 वर्षीय उमेश तथा बैतूल की 17 वर्षीय राधिका की दाहिनी आंख की आपात सर्जरी कर दृष्टि सुरक्षित की गई। इसके अलावा भोपाल के ज्ञानेंद्र (27 वर्ष), प्रीति (40 वर्ष), सुभाष (21 वर्ष) व पाखी (16 वर्ष), शाजापुर के श्यामाप्रसाद (65 वर्ष) व पलाश (36 वर्ष), सीहोर के पाल जी (31 वर्ष), राजगढ़ के घनश्याम (22 वर्ष), रायसेन की मुस्कान (20 वर्ष) और देवास के नन्हेलाल (56 वर्ष) का भी त्वरित इलाज कर आंखों का बचाव किया गया। दीपावली पर अस्पताल की इस विशेष 24 घंटे तत्पर व्यवस्था से सभी घायलों की आंखों की रोशनी बचाना संभव हो सका।

छठ पूजा के गीतों पर सियासी संग्राम

संजय राऊत ने जताई आपत्ति, बोले- महाराष्ट्र की संस्कृति पर हावी होने का न करें प्रयास

मुंबई, यशभारत। मुंबई के कुछ रेलवे स्टेशनों पर छठ पूजा के अवसर पर भोजपुरी गीत बजाए जाने को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राऊत ने रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाने बजाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि रेलवे प्लेटफॉर्म यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों से संबंधित सूचनाओं के लिए हैं, न कि राजनीतिक या सांस्कृतिक प्रचार के लिए।

मीडिया से बातचीत के दौरान राऊत ने सवाल उठाया कि दीपावली, होली, ईद और क्रिसमस जैसे प्रमुख त्योहारों पर रेलवे स्टेशनों पर इस तरह गाने क्यों नहीं बजाए जाते? उन्होंने आरोप लगाया कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर मुंबई के रेलवे स्टेशनों का इस्तेमाल



राजनीतिक फायदे के लिए किया जा रहा है।

राऊत ने छठ पूजा के महत्व को स्वीकार करते हुए कहा कि छठ एक पवित्र और आस्था से जुड़ा पर्व है। इसका पूरे सम्मान के साथ आयोजन होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें छठ पूजा से कोई आपत्ति नहीं है। हम स्वयं भी इस उत्सव में शामिल होंगे, लेकिन इसके बहाने महाराष्ट्र की संस्कृति पर हावी होने का प्रयास नहीं होना चाहिए। ऐसी गतिविधियों से समाज में अनावश्यक संघर्ष पैदा होता है।'

राऊत ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश की राजनीति को महाराष्ट्र में लाने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद मुंबई में छठ पूजा के आयोजन, भोजपुरी गीतों और महाराष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान को लेकर राजनीतिक बहस तेज होने की संभावना है।

कसारा रेलमार्ग पर आधी रात को दो दिन मेगा ब्लॉक

लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनें होंगी प्रभावित, 20 से 25 मिनट देरी से चलेंगी नौ मेल-एक्सप्रेस ट्रेनें

मुंबई, यशभारत। मध्य रेलवे ने आसनगांव-कसारा तीसरी रेल लाइन के निर्माण और कसारा स्टेशन पर प्लेटफॉर्म लाइन के विस्तार कार्य के लिए 13 और 14 नवंबर की मध्यरात्रि विशेष ब्लॉक लेने का निर्णय लिया है। इसके चलते कसारा मार्ग पर लोकल के साथ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी।

रेलवे के अनुसार, दोनों दिन रात 11:10 बजे से मध्यरात्रि 1:40 बजे तक खर्डी-कसारा के बीच अप मुख्य लाइन और तीसरी लाइन पर काम किया जाएगा। इस दौरान खर्डी और कसारा के बीच लोकल सेवा पूरी तरह बंद रहेगी।

ब्लॉक से पहले छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से कसारा के लिए अंतिम लोकल रात 8:44 बजे रवाना होगी। वहीं, रात 9:32 बजे के बाद चलने वाली कसारा लोकल आसनगांव तक ही जाएंगी। रात 11:05 बजे की लोकल खर्डी तक सीमित रहेगी।

कसारा से सीएसएमटी के लिए अंतिम लोकल रात 10 बजे रवाना होगी, जबकि ब्लॉक के बाद पहली लोकल सुबह 3:51 बजे चलेगी।



इस कार्य का असर नौ मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों पर भी पड़ेगा। सीएसएमटी-हावड़ा, एलटीटी-बनारस, अमृतसर और कुशीनगर सहित कई ट्रेनें 20 से 25 मिनट देरी से चलेंगी। मध्य रेलवे ने यात्रियों से समय-सारिणी देखकर यात्रा करने की अपील की है।

बम की धमकी के बाद दिलजीत के कॉन्सर्ट में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

27 नवंबर को महालक्ष्मी रेसकोर्स में होगा कार्यक्रम, पुलिस रखेगी चप्पे-चप्पे पर नजर

मुंबई, यशभारत। मुंबई में पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आगामी संगीत कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाएगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रशंसकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियां विशेष सतर्कता बरतेंगी। 27 नवंबर को महालक्ष्मी रेसकोर्स में होने वाले इस कार्यक्रम के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने का फैसला कॉन्सर्ट स्थल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद लिया गया है।



रिपोर्ट के अनुसार, कार्यक्रम में 1,500 से 2,000 निजी सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। प्रवेश के लिए तीन के बजाय पांच द्वार बनाए जाएंगे। रेसकोर्स के आसपास 500 से 700 मीटर तक वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी और यातायात नियंत्रित किया जाएगा।

कार्यक्रम में आने वाले दर्शकों के मोबाइल फोन और सामान की कड़ी जांच होगी। दिलजीत की सुरक्षा के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी उनके आसपास तैनात रहेंगे। उनके होटल और मुंबई पहुंचने के समय की जानकारी भी गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस की प्राथमिकता कार्यक्रम के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने की है।

श्रीकांत शिंदे के निर्देश पर छठ पूजा की तैयारियां तेज

भुल्लर महाराज ने मनपा आयुक्त को सौंपा ज्ञापन सुरक्षा और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग

उल्हासनगर, यशभारत। छठ महापर्व को लेकर शहर में तैयारियां तेज हो गई हैं। कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे के निर्देश पर शिवसेना शहर प्रमुख एवं वरिष्ठ नगरसेवक राजेंद्रसिंह भुल्लर (महाराज) ने छठ पूजा के आयोजन को लेकर पहल की है। उन्होंने उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त मनीषा आव्हाले और अतिरिक्त आयुक्त धीरज चव्हाण को ज्ञापन सौंपकर श्रद्धालुओं के लिए घाटों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

आगामी 14, 15 और 16 नवंबर को उल्हासनगर-1 स्थित आईडीआई कंपनी घाट और अंटालिया घाट पर छठ पूजा महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे देखते हुए भुल्लर महाराज ने दोनों घाटों पर अस्थायी मंडप और मंच लगाने की अनुमति, लाउडस्पीकर की मंजूरी, स्वच्छता, पर्याप्त रोशनी, पेयजल और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

ज्ञापन में अग्निशमन दल, एंबुलेंस, मेडिकल टीम और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था के साथ पर्याप्त पुलिस बंदोबस्त, यातायात नियंत्रण और पार्किंग की उचित व्यवस्था करने की भी मांग की गई है। साथ ही चोरी और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए



विशेष सुरक्षा इंतजाम करने पर जोर दिया गया है। इस दौरान कमलेश निकम भी उपस्थित थे।

भुल्लर महाराज ने कहा कि छठ पूजा उत्तर भारतीय समाज की आस्था, संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा सभी भक्त सुरक्षित वातावरण में सूर्यदेव की आराधना कर सकें, इसके लिए प्रशासन को समय रहते सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी चाहिए। आयोजकों ने भी स्वच्छता, सुरक्षा और ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का पालन करने का आश्वासन दिया है।

सूखाग्रस्त किसानों के लिए रीजेंसी ग्रुप का 50 लाख का योगदान

सीएम फडणवीस ने जताया आभार

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र में सूखे की मार झेल रहे किसानों को आर्थिक राहत पहुंचाने के लिए रीजेंसी ग्रुप ने सराहनीय पहल की है। समूह के सीएमडी महेश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री सहायता निधि में 50 लाख रुपए का आर्थिक योगदान दिया है। इस राशि का उपयोग सूखा प्रभावित किसानों की सहायता के लिए किया जाएगा।

महेश अग्रवाल ने मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर उन्हें 50 लाख रुपए का चेक सौंपा। राज्य के कई हिस्सों में सूखे के कारण किसानों को गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फसलों को नुकसान पहुंचने और खेती की लागत बढ़ने से किसानों पर आर्थिक संकट गहराया है। ऐसे मुश्किल समय में रीजेंसी ग्रुप की ओर से दी गई यह सहायता प्रभावित किसानों के लिए राहत का माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महेश अग्रवाल के इस आर्थिक सहयोग के लिए



उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए किसानों की मदद के लिए आगे आने वाली सामाजिक संस्थाओं और उद्योग जगत के योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

हाईकोर्ट के आदेश की अनदेखी पड़ी भारी

सार्वजनिक जगहों पर पटाखे फोड़ने वाले 40 पर एक्शन, 29 पर एफआईआर दर्ज

मुंबई, यशभारत। सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे फोड़कर बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मुंबई पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। दिवाली के दौरान नियमों की अनदेखी करने के आरोप में पुलिस ने 40 लोगों के खिलाफ 29 प्राथमिकी दर्ज की हैं। यह कार्रवाई 5 से 10 नवंबर के बीच की गई।



बॉम्बे हाईकोर्ट ने सितंबर में महाराष्ट्र में सार्वजनिक सड़कों, गलियों, फुटपाथों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध लगाया था। इसके बावजूद दिवाली के दौरान कई इलाकों में आतिशबाजी जारी रही। पुलिस ने ग्रांट रोड, माहिम, कुर्ला, पवई और विक्रोली सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की।

पटाखों के कारण आग लगने की घटनाओं में भी वृद्धि दर्ज की गई। मुंबई में दिवाली के दौरान आग की 282 घटनाएं सामने आईं, जिनमें करीब 200 घटनाएं पटाखों से जुड़ी थीं। वहीं, मुंबई महानगर क्षेत्र में पटाखों के कारण आग लगने की लगभग 390 घटनाएं दर्ज की गईं। इसके अलावा, 2 से 10 नवंबर के बीच अवैध रूप से पटाखे बेचने के मामलों में भी 60 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गईं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सुरक्षा और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

टेकऑफ से पहले रनवे से फिसला प्रशिक्षण विमान

सोलापुर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला महिला प्रशिक्षु पायलट बाल-बाल बची

सोलापुर, यशभारत। महाराष्ट्र के सोलापुर हवाई अड्डे पर गुरुवार को टेकऑफ की तैयारी कर रहा एक प्रशिक्षण विमान अचानक संतुलन खो बैठा और रनवे से फिसलकर बाहर चला गया। इस घटना से हवाई अड्डे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, गनीमत रही कि विमान में सवार महिला प्रशिक्षु पायलट बाल-बाल बच गई। उसे किसी तरह की चोट नहीं आई है।



प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान उड़ान भरने की तैयारी में था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह रनवे से बाहर निकल गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और संबंधित एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं। विमान के रनवे से फिसलने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

फिलहाल विमान में कितने लोग सवार थे, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। हवाई अड्डा प्रशासन की विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार है। जांच पूरी होने के बाद हादसे की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

कागजों पर हिंदुओं के नाम फ्लैटों में कौन आबाद?

एंटॉप हिल में म्हाडा के 110 फ्लैटों पर बांग्लादेशी घुसपैठियों के कब्जे का आरोप

मुंबई, यशभारत। मुंबई के एंटॉप हिल स्थित म्हाडा की आवासीय परियोजना के 110 फ्लैटों पर कथित अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने आरोप लगाया है कि कम आय वर्ग (एलआईजी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए बनाए गए इन फ्लैटों पर बांग्लादेशी घुसपैठियों ने कब्जा कर रखा है। उन्होंने इस संबंध में दस्तावेजों और नामों की सूची के साथ म्हाडा प्रशासन तथा संबंधित मंत्रियों को शिकायत सौंपकर जांच की मांग की है। सोमैया के अनुसार, इन फ्लैटों के मूल आवंटन हिंदुओं के नाम पर हुए थे, लेकिन कथित तौर पर मुख्तारनामा (पावर ऑफ अटॉर्नी) के माध्यम से दूसरे लोगों ने इन पर नियंत्रण हासिल कर लिया। उन्होंने कुछ मूल आवंटियों और वर्तमान कब्जाधारियों के नाम भी सार्वजनिक किए हैं। सोमैया ने बताया कि नूरबाजार स्थित म्हाडा परिसर के 50 से अधिक निवासियों ने उनसे मिलकर अवैध कब्जे, बेनामी लेन-देन और धमकियों की शिकायत की है। उन्होंने म्हाडा के उपाध्यक्ष मिलिंद बोरीकर को पत्र लिखकर तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है। सोमैया ने 14 नवंबर को परिसर का दौरा करने की भी घोषणा की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।



भाईदूज पर एक छत के नीचे आया ठाकरे परिवार

राज और उद्धव ठाकरे ने परिवार के साथ बहन जयवंती के घर मनाया त्योहार, रश्मि और आदित्य भी रहे मौजूद



मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर ठाकरे परिवार की एकजुटता की तस्वीर सामने आई है। भाईदूज के अवसर पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे अपने पूरे परिवार के साथ बहन जयवंती के घर पहुंचे और पारंपरिक तरीके से भाऊबीज का त्योहार मनाया। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

राज ठाकरे अपनी पत्नी शर्मिला और बेटे अमित ठाकरे के साथ पहुंचे, वहीं उद्धव ठाकरे पत्नी रश्मि और बेटे आदित्य के साथ नजर आए। परिवार के सभी सदस्यों ने एक साथ त्योहार मनाया। ठाकरे परिवार में हर साल भाईदूज पर बहन जयवंती के घर जुटने की परंपरा रही है। गौरतलब है कि ठाकरे बंधुओं ने दिसंबर 2026 में होने वाले महानगरपालिका चुनावों के लिए साथ आने की घोषणा की है। इससे पहले जुलाई में मराठी भाषा के मुद्दे पर भी दोनों भाई एक मंच पर नजर आए थे। ऐसे में भाईदूज पर परिवार की यह मुलाकात राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बन गई है। हालांकि, यह पारिवारिक आयोजन था, लेकिन इसकी तस्वीरों ने राजनीतिक चर्चाओं को फिर हवा दे दी है।

महाराष्ट्र के तीन समुद्र तटों को मिला अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग सम्मान

वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर चमकेगा कोंकण

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र के समुद्र तटों के लिए बड़ी उपलब्धि सामने आई है। राज्य के रत्नागिरी जिले के लाडघर और गुहागर तथा रायगढ़ जिले के श्रीवर्धन समुद्र तटों को वर्ष 2026-27 के लिए प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय 'ब्लू फ्लैग' सम्मान प्रदान किया गया है। महाराष्ट्र को पहली बार यह अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है।



ब्लू फ्लैग सम्मान उन समुद्र तटों को दिया जाता है, जो पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, समुद्र के पानी की गुणवत्ता, जैव विविधता की सुरक्षा, पर्यटकों की सुरक्षा और आधुनिक सुविधाओं के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरते हैं।

इस वर्ष पूरे देश के 22 समुद्र तटों को यह सम्मान मिला है। इनमें 9 नए समुद्र तट शामिल हैं, जबकि 13 को पुराने प्रमाणपत्र का नवीनीकरण मिला है।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे महाराष्ट्र के समुद्र तटों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय रोजगार और पर्यटन व्यवसाय को भी बढ़ावा मिलेगा। इन तीनों समुद्र तटों पर ब्लू फ्लैग पर्यटन सत्र 15 नवंबर 2026 से शुरू होगा। इसके लिए आधिकारिक ध्वज नीदरलैंड से लाए जा रहे हैं। जल्द ही ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

मुंबई की पहली रोपवे परियोजना की शुरुआत

मुलुंड से तारामती माता मंदिर तक बनेगा रोपवे, संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की पर्यावरणीय मंजूरी बड़ी चुनौती

मुंबई, यशभारत। मुंबई की पहली रोपवे परियोजना को लेकर शुरुआती प्रक्रिया शुरू हो गई है। मुलुंड की पहाड़ियों से संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (एसजीएनपी) स्थित तारामती माता मंदिर तक रोपवे बनाने की योजना पर सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने सलाहकार नियुक्त करने के लिए निविदा जारी की है। सलाहकार परियोजना का प्रारूप, मार्ग, स्टेशन के स्थान और निर्माण लागत का आकलन तैयार करेंगे।

इस परियोजना का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और श्रद्धालुओं को पहाड़ी पर स्थित तारामती माता मंदिर तक पहुंचने की सुविधा देना है। मुलुंड के भाजपा विधायक मिहिर कोटेचा ने वर्ष 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान इस रोपवे का वादा किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रोपवे मुलुंड से बोरीवली तक नहीं, बल्कि मुलुंड की तलहटी से मंदिर तक ही प्रस्तावित है।

हालांकि, परियोजना के सामने पर्यावरणीय मंजूरी की बड़ी चुनौती है। मंदिर संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की सीमा में स्थित है, जहां निर्माण गतिविधियों पर कड़े प्रतिबंध हैं। इसके लिए केंद्र के वन एवं पर्यावरण विभाग की आवश्यक मंजूरी लेनी होगी। पर्यावरण कार्यकर्ता जोरू बथेना ने भी मंजूरी मिलने तक निर्माण शुरू नहीं करने की बात कही है। सलाहकार वन्यजीवों और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन भी करेंगे।

दिवाली के प्रदूषण से मुंबई को राहत

मुंबई, यशभारत। मुंबई में दिवाली के दौरान आतिशबाजी के कारण बढ़ा वायु प्रदूषण अब धीरे-धीरे कम होने लगा है। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) घटकर 138 पर पहुंच गया है। हालांकि, प्रदूषण का स्तर अभी भी संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, लेकिन दिवाली के बाद की स्थिति में सुधार के संकेत मिले हैं। शहर का 24 घंटे का औसत एक्यूआई 138 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। शहर के 25 सक्रिय निगरानी केंद्रों में से 23 पर हवा की गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया। हालांकि, नेवी नगर में एक्यूआई 207 और मालाड पश्चिम में 206 रहा, जो खराब श्रेणी में है। दिवाली के दौरान पटाखों से निकले धुएं के कारण कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ गया था। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, चेंबूर और खेरवाड़ी जैसे क्षेत्रों में भी प्रदूषण अधिक दर्ज किया गया था।

सायन अस्पताल के डॉ. चव्हाण को ब्रिटेन का सर्वोच्च सम्मान



मुंबई, यशभारत। मुंबई के सायन अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के प्राध्यापक डॉ. निरंजन चव्हाण को ब्रिटेन के रॉयल कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रिशियंस एंड गायनेकोलॉजिस्ट्स ने प्रतिष्ठित एफआरसीओजी (मानद) उपाधि से सम्मानित किया है। अक्टूबर 2026 में प्रदान किया गया यह सम्मान महिला स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया है। डॉ. चव्हाण को 35 वर्षों के अध्यापन अनुभव, 125 से अधिक शोध पत्रों और 42 पुस्तक अध्यायों के लेखन का अनुभव है। सायन अस्पताल में प्रतिवर्ष 12 हजार से अधिक प्रसव कराए जाते हैं। उन्हें 22 से 24 अप्रैल 2027 तक मलेशिया के कुआलालंपुर में होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मान ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किया गया है। वे इस सम्मेलन में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग और प्रसव के बाद होने वाले अत्यधिक रक्तस्राव की रोकथाम संबंधी अनुभव भी साझा करेंगे।

चिंतन-मनन

सोनिया गांधी की Belonging भारतीयता की कसौटी और राजनीतिक विरासत का सवाल

भारत को अपना सर्वस्व सौंपने वाली महिला को क्या जीवनभर अपनी भारतीयता साबित करनी पड़ी? और क्या पारिवारिक संस्मरणों से इतिहास की जिम्मेदारियां बदली जा सकती हैं? सोनिया गांधी की पुस्तक Belonging: A Journey of Love इन दिनों राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय है। पांच सौ से अधिक पृष्ठों के इस संस्मरण पर पूरी तरह चर्चा होने से पहले ही इसके चुनिंदा प्रसंगों को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। कोई इसे गांधी परिवार के अतीत का खुलासा बता रहा है तो कोई आलोचनाओं को राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित मान रहा है। लेकिन इस पुस्तक का वास्तविक महत्व केवल इसके खुलासों में नहीं, बल्कि इसके शीर्षक 'वक्रद्यश्ठुद्वद्ठुद्व' यानी अपनत्व और स्वीकार्यता के भाव में भी छिपा है। राजीव गांधी से विवाह के बाद सोनिया गांधी ने भारत को अपना घर, परिवार और कर्मभूमि बनाया। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को अपनाया तथा अंततः देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बावजूद उनके विदेशी मूल को लेकर दशकों तक सवाल उठते रहे। प्रधानमंत्री बनने की संभावना के समय यह विवाद इतना बढ़ा कि शरद पवार ने भी इसी मुद्दे पर कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई। सोनिया गांधी ने अंततः प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया और डॉ. मनमोहन सिंह को आगे किया। उनके इस निर्णय को राजनीतिक त्याग या रणनीतिक समझ, दोनों रूपों में देखा जा सकता है। लेकिन पुस्तक का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष 1975 का आपातकाल है। सोनिया गांधी ने इंदिरा गांधी के फैसले को राजनीतिक गलती माना है और संजय गांधी की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया है। सवाल यह है कि क्या आपातकाल की जिम्मेदारी संजय गांधी पर केंद्रित करके इंदिरा गांधी और तत्कालीन कांग्रेस सरकार की जवाबदेही कम की जा सकती है? 25 जून 1975 को आपातकाल लगाने का निर्णय इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने लिया था। विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां, प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध, नागरिक अधिकारों का हनन और जबरन नसबंदी जैसी घटनाएं भारतीय लोकतंत्र के इतिहास पर गहरे दाग हैं। संजय गांधी की भूमिका विवादास्पद थी, लेकिन इसके लिए पूरी व्यवस्था और तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसलिए सोनिया गांधी के संस्मरण को न तो राजनीतिक दुर्भावना से खारिज करना उचित है और न ही उसमें लिखी प्रत्येक बात को अंतिम ऐतिहासिक सत्य मान लेना। संस्मरण व्यक्तिगत अनुभव होते हैं, इतिहास का निष्पक्ष मूल्यांकन तथ्यों और प्रमाणों से होता है। मीडिया को भी सनसनीखेज शीर्षकों के बजाय पुस्तक की समग्रता पर चर्चा करनी चाहिए। Belonging एक तरफ सोनिया गांधी के अपनत्व और स्वीकार्यता के संघर्ष की कहानी है, तो दूसरी तरफ गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत और जवाबदेही पर विचार करने का अवसर भी। भारतीयता जन्मस्थान से बड़ी है, लेकिन राजनीतिक जिम्मेदारी पारिवारिक स्मृतियों से छोटी नहीं हो सकती। लोकतंत्र में सम्मान और जवाबदेही, दोनों समान रूप से जरूरी हैं।

कड़वे वचन



किसी ने पूछाः मंदिर जाते हैं तो पहले घंटीक्यों बजाते हैं? मैंने प्रतिप्रश्न कियाः फोन आता है तो पहले घंटी क्येां बजती है? फोन की घंटी इशारा है कि किसी ने पुकारा है और मंदिर की घंटी भी इशारा है कि प्रभु तेरा ही सहारा है। मंदिर की घंटी के संग मन मंदिर की घंटी भी बजनी चाहिए। कहें- हे प्रभु मेरा नाथ तू है, दुनिया में हूं अकेला, पर मरे साथ तू है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-13 नवम्बर, 2026
दिन-शुक्रवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ
बिना मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की गिलास में पानी पिए

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह
उधार लेने व देने से बचें विद्यार्थियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
ंरुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है ओम विधि रूपाय नमः का जाप करें

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
कारोबारी कार्य में मन लगेगा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे ओम नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र ग्रह का पूजन करें

वृश्चिक ते, तो, ना, नी, नू, या, फा, ढा, भे
मन प्रफुल्लित रहेगा तेज ड्राइविंग से बचे हनुमानजी के दर्शन करे

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आज मनमाफिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हाइपर होने से बचे शनि का पूजन करें

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
लोगों के मैसेज पढ़ कर मन प्रसन्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

महाराष्ट्र में सूखे की मार झेलता किसान, आखिर कब बदलेगी खेती की तस्वीर?

जल संकट, अनिश्चित मानसून, घटता भूजल, खेती की बढ़ती लागत और सरकारी नीतियों की चुनौतियों के बीच महाराष्ट्र का किसान आखिर कब तक सूखे से लड़ता रहेगा? महाराष्ट्र देश के उन राज्यों में शामिल है, जिनकी पहचान औद्योगिक विकास, व्यापार, वित्तीय गतिविधियों और कृषि उत्पादन के लिए रही है। मुंबई देश की आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है, पुणे आईटी और औद्योगिक विकास का बड़ा केंद्र बन चुका है तथा राज्य के अनेक जिलों में कृषि और सहकारी संस्थाओं का व्यापक नेटवर्क है। इसके बावजूद महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों की तस्वीर इससे बिल्कुल अलग दिखाई देती है। यहां किसान कभी कम बारिश तो कभी बेमौसम बारिश, कभी जलाशयों में पानी की कमी तो कभी फसल की लागत और बाजार भाव की मार झेलने को मजबूर है। सवाल यह है कि आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले महाराष्ट्र का किसान आज भी पानी के लिए आसमान की ओर क्यों देख रहा है?

महाराष्ट्र में सूखे की समस्या केवल एक साल की मौसमी परेशानी नहीं है, बल्कि यह वर्षों से चली आ रही संरचनात्मक समस्या है। राज्य के मराठवाड़ा, विदर्भ और पश्चिमी महाराष्ट्र के कुछ हिस्से बार-बार पानी की कमी का सामना करते हैं। हर साल मानसून से उम्मीदें जुड़ती हैं, लेकिन बारिश का असमान वितरण किसानों की मुश्किलें बढ़ा देता है। कहीं सामान्य से कम बारिश होती है तो कहीं कुछ ही दिनों में इतनी अधिक वर्षा हो जाती है कि खेतों की मिट्टी और खड़ी फसल दोनों को नुकसान पहुंचता है। यानी किसान के सामने संकट केवल बारिश की कमी का नहीं, बल्कि बारिश के अनिश्चित और असंतुलित स्वरूप का भी है।

महाराष्ट्र की भौगोलिक परिस्थितियां भी इस संकट को गंभीर बनाती हैं। सरकारी जल संसाधन प्राधिकरण के अनुसार राज्य का लगभग 40 प्रतिशत क्षेत्र सूखा प्रभावित है। राज्य में वर्षा का वितरण 400 से 6,000 मिलीमीटर तक अलग-अलग है और अधिकांश बारिश जून से सितंबर के चार महीनों में होती है। मराठवाड़ा का बड़ा हिस्सा वर्षा छाया क्षेत्र में आता है, जहां औसत वार्षिक वर्षा लगभग 600 मिलीमीटर है। यहां बारिश की अनिश्चितता भी अधिक है।

इसके साथ भूजल की समस्या भी कम गंभीर नहीं है। महाराष्ट्र के भूजल सर्वेक्षण एवं विकास तंत्र के अनुसार राज्य के लगभग 91 प्रतिशत भूभाग में कठोर चट्टानी संरचना है। ऐसी चट्टानों में भूजल का संचय और प्रवाह आसान नहीं होता। परिणामस्वरूप बारिश कम होने पर कुएं और बोरवेल तेजी से सूखने लगते हैं। किसान सिंचाई के लिए निजी बोरवेल पर निर्भर होता है और पानी की तलाश में अधिक गहराई तक खुदाई करवाता है। इससे उसकी आर्थिक स्थिति और कमजोर होती जाती है। लेकिन केवल प्राकृतिक परिस्थितियों को दोष देकर सरकारी व्यवस्था और कृषि नियोजन की जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। महाराष्ट्र में दशकों से सूखे की समस्या मौजूद है। इसके बावजूद आज भी बड़ी संख्या में किसान मानसून आधारित खेती करने को विवश हैं। यदि हर साल सूखे की आशंका रहती है तो फिर जल संरक्षण, सिंचाई के वैकल्पिक साधन और फसल विविधीकरण को कृषि नीति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा क्यों नहीं बनाया गया?

महाराष्ट्र में गन्ना उत्पादन और चीनी उद्योग का बड़ा आर्थिक महत्व है। पश्चिमी महाराष्ट्र में गन्ने की खेती ने सहकारी चीनी मिलों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। लेकिन गन्ना अधिक पानी मांगने वाली फसल है। ऐसे क्षेत्रों में जहां पानी की उपलब्धता सीमित है, वहां बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि गन्ने की खेती बंद कर दी जाए, बल्कि यह समझना जरूरी है कि किस क्षेत्र में कौन-सी फसल प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुकूल है।

मराठवाड़ा और विदर्भ जैसे क्षेत्रों में ज्वार, बाजरा, दालें, तिलहन और कम पानी में तैयार होने वाली दूसरी फसलों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। किसानों को केवल फसल बदलने की सलाह देना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें बीज, तकनीकी मार्गदर्शन, बाजार की गारंटी, उचित न्यूनतम समर्थन मूल्य और सरकारी खरीद की व्यवस्था भी उपलब्ध करानी होगी। जब तक किसान को वैकल्पिक फसल से उसकी लागत और मेहनत का उचित मूल्य मिलने का भरोसा नहीं होगा, तब तक फसल विविधीकरण का लक्ष्य केवल सरकारी कागजों तक सीमित रह सकता है। दूसरी ओर, खेतों में पानी रोकने की व्यवस्था पर भी गंभीरता से काम करना होगा। खेत तालाब, चेक डैम, छोटे बांध, नालों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण जैसे उपायों को गांव स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। जलयुक्त शिवार जैसी योजनाओं के अनुभवों का निष्पक्ष मूल्यांकन होना चाहिए। यह देखना जरूरी है कि जिन गांवों में जल संरक्षण के काम हुए, वहां वास्तव में भूजल स्तर और सिंचाई की स्थिति में कितना सुधार आया।

यहां एक महत्वपूर्ण विरोधाभास सामने आता है। महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति में है। राज्य की आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में 7.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है, जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की वृद्धि दर 3.4 प्रतिशत आंकी गई है। यानी औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों की तुलना में कृषि क्षेत्र की वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी है। इसका सीधा अर्थ यह है कि राज्य की आर्थिक प्रगति का लाभ ग्रामीण अर्थव्यवस्था और छोटे किसानों तक समान रूप से नहीं पहुंच पा रहा है। मुंबई में शेयर बाजार की तेजी, पुणे में औद्योगिक विस्तार, नए एक्सप्रेसवे, मेट्रो और बड़े निवेश राज्य की आर्थिक उपलब्धियां हो सकती हैं, लेकिन इनसे उस किसान की समस्या अपने आप हल नहीं होती, जिसकी सोयाबीन की फसल बारिश न होने से सूख गई हो या जिसकी कपास की फसल लागत भी नहीं निकाल पा रही हो।

2026 के मानसून ने इस अंतर को और उजागर किया। सितंबर के अंतिम सप्ताह तक महाराष्ट्र में सामान्य 970.9 मिलीमीटर के मुकाबले 798.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो लगभग 18 प्रतिशत कम थी। मराठवाड़ा में बारिश की कमी 38 प्रतिशत और विदर्भ में लगभग 27 प्रतिशत तक पहुंच गई। सूखे जैसी परिस्थितियों के कारण 265 तहसीलों में राहत संबंधी कदमों की आवश्यकता सामने आई। यह आंकड़े बताते हैं कि संकट किसी एक गांव या जिले तक सीमित नहीं रहा।

महाराष्ट्र में जल संरक्षण और सिंचाई के लिए अनेक योजनाएं चलाई गई हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जलयुक्त शिवार अभियान, सूक्ष्म सिंचाई और जलग्रहण विकास जैसी पहलों का उद्देश्य किसानों तक पानी पहुंचाना और खेती को मानसून की निर्भरता से मुक्त करना है। इसके बावजूद सवाल यह है कि इन योजनाओं का वास्तविक लाभ सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों तक कितना पहुंचा है?

मराठवाड़ा में 11 बड़े बांधों को पाइपलाइन के माध्यम से जोड़कर जल ग्रिड विकसित करने की योजना भी सामने आई है। यह पहल पानी की क्षेत्रीय असमानता कम करने में सहायक हो सकती है, लेकिन इसके लिए समयबद्ध क्रियान्वयन, पर्याप्त बजट और पारदर्शिता जरूरी है। केवल योजनाओं की घोषणा से किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंचेगा।

एक और महत्वपूर्ण पहलू जल प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी है। गांवों में पानी के उपयोग का हिसाब होना चाहिए। तालाबों और जलाशयों पर अतिक्रमण रोकना, पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना तथा भूजल के अनियंत्रित दोहन पर नियंत्रण जरूरी है। सिंचाई के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी तकनीकों को छोटे किसानों के लिए सस्ता और सुलभ बनाया जाना चाहिए। साथ ही, पानी के उपयोग में कृषि, उद्योग और शहरी जरूरतों के बीच संतुलन भी स्थापित करना होगा।

सूखे की सबसे बड़ी मार छोटे और सीमांत किसानों पर पड़ती है। फसल बर्बाद होने के बाद किसान के सामने केवल अगली फसल बोने का सवाल नहीं होता, बल्कि परिवार का खर्च, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पुराने कर्ज की अदायगी जैसी जिम्मेदारियां भी खड़ी हो जाती हैं। कई बार किसान कर्ज लेकर दोबारा खेती करता है और अगला मानसून भी साथ नहीं देता। इस तरह प्राकृतिक आपदा धीरे-धीरे आर्थिक संकट और ग्रामीण पलायन का कारण बन जाती है।

ऐसे में फसल बीमा योजनाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना होगा। नुकसान का आकलन समय पर हो और मुआवजा सीधे प्रभावित किसान तक पहुंचे। बीमा कंपनियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त सूखा प्रभावित किसानों को ब्याज राहत, कृषि ऋण पुनर्गठन, पशुओं के लिए चारा और पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। कभी लंबे समय तक बारिश नहीं होती और कभी कुछ घंटों में इतनी तेज बारिश हो जाती है कि खेतों में पानी भर जाता है। इसलिए कृषि को केवल पारंपरिक मानसून कैलेंडर के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। मौसम पूर्वानुमान, स्थानीय स्तर पर कृषि सलाह, सूखा सहन करने वाली बीज किस्में और फसल विविधीकरण को व्यापक स्तर पर अपनाना होगा।

महाराष्ट्र को देश के आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में गिना जाता है। यहां बड़े उद्योग हैं, मजबूत शहरी अर्थव्यवस्था है, व्यापारिक गतिविधियां हैं और निवेश की संभावनाएं भी हैं। लेकिन किसी राज्य की समृद्धि का वास्तविक आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, उद्योगों और बड़े निर्माण कार्यों से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना होगा कि उस राज्य का किसान कितना सुरक्षित है, ग्रामीण परिवारों की आय कितनी बढ़ी है और खेती प्राकृतिक आपदाओं के सामने कितनी मजबूत हुई है।

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

छठ पूजा : आस्था समर्पण और लोक संस्कृति का महापर्व

सूरत में छठव्रतियों के स्वागत के लिए सजे घाट प्रशासन की तैयारियों की परीक्षा और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का उत्सव छठ पूजा भारत की प्राचीन धार्मिक परंपराओं और लोक आस्था का ऐसा अनुपम पर्व है, जिसमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सूर्य उपासना, अनुशासन, पवित्रता और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना एक साथ दिखाई देती है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस जीवनदृष्टि का प्रतीक है, जिसमें सूर्य को जीवन का आधार और जल को प्रकृति का अमूल्य उपहार माना गया है। देश के लगभग हर राज्य में छठ पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाती है। हालांकि बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसकी विशेष परंपरा रही है, लेकिन आज यह पर्व देश की सीमाओं से निकलकर राष्ट्रीय पहचान बना चुका है। गुजरात में भी विशेषकर उत्तर गुजरात के प्रवासी समाज के बीच छठ पूजा का विशिष्ट स्थान है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता छठव्रतियों का कठोर अनुशासन, अटूट विश्वास और अद्भुत समर्पण है। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व नहाय-खाय से आरंभ होता है। इसके बाद खरना का विधान होता है। तीसरे दिन व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं और अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करते हैं। इस दौरान व्रती पूरी श्रद्धा, पवित्रता और नियमों का पालन करते हैं। कई श्रद्धालु निर्जला उपवास रखकर सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करते हैं। उनकी यह साधना भारतीय नारी शक्ति, मातृत्व, त्याग और आत्मबल का प्रेरणादायक उदाहरण है। परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और समाज के कल्याण की भावना इस पर्व को और भी विशिष्ट बनाती है।

सूरत जैसे औद्योगिक महानगर में छठ पूजा का उत्साह देखते ही बनता है। वस्त्र उद्योग, हीरा उद्योग, व्यापार, निर्माण क्षेत्र और विभिन्न रोजगारों से जुड़े बिहार, झारखंड तथा पूर्वांचल के लाखों लोग सूरत में रहते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में श्रमिक और व्यवसायी परिवार छठ पूजा मनाने के लिए अपने वतन लौटते हैं। त्योहार के अवसर पर रेलगाड़ियों और बसों में यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। अपने गांव, परिवार और पुश्तैनी परंपराओं के बीच छठ मनाने की इच्छा उन्हें हजारों किलोमीटर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करती है। उनके लिए छठ पूजा केवल त्योहार नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति और पारिवारिक जड़ों से जुड़ने का अवसर है।

हालांकि सभी लोग अपने गृह प्रदेश नहीं जा पाते। रोजगार, कारोबार और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण अनेक परिवार गुजरात में ही रहकर छठ पूजा मनाते हैं। ऐसे श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए सूरत में विभिन्न स्थानों पर छठ पूजा के घाट सजाए जा रहे हैं। बिहार विकास परिषद हर वर्ष छठव्रतियों के लिए घाटों की व्यवस्था करती है। परिषद के कार्यकर्ता श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूजा स्थलों को तैयार करने में जुटते हैं। घाटों की सजावट, साफ-सफाई और धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाएं इस बात का प्रमाण हैं कि प्रवासी



समाज ने अपनी संस्कृति को नई भूमि पर भी पूरी जीवंतता के साथ सुरक्षित रखा है। गुजरात की धरती पर छठ का यह आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का सुंदर उदाहरण बन गया है।

छठ पूजा की सफलता में प्रशासन की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सूरत महानगरपालिका, पुलिस प्रशासन और संबंधित विभागों के सामने श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा सुविधाओं की बड़ी जिम्मेदारी रहती है। घाटों की समय रहते सफाई, जलाशयों के आसपास पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग सुविधाएं, अस्थायी शौचालय, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। जलाशयों में उतरने के लिए सुरक्षित व्यवस्था, फिसलन रोकने के उपाय, बैरिकेडिंग और गहरे पानी वाले स्थानों पर चेतावनी संकेत भी लगाए जाने चाहिए।

संध्या अर्घ्य और प्रातःकालीन अर्घ्य के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में यातायात व्यवस्था सुचारु रखना पुलिस प्रशासन की विशेष जिम्मेदारी है। भीड़ नियंत्रण, वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग, महिला सुरक्षा और स्वयंसेवकों की तैनाती से श्रद्धालुओं को परेशानी से बचाया जा सकता है। प्रशासन को आयोजक संस्थाओं के साथ समन्वय बनाकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी श्रद्धालु को अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। साथ ही प्लास्टिक और कचरे से जलाशयों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए विशेष अभियान चलाना चाहिए। प्रशासन की तैयारियों का वास्तविक मूल्यांकन इसी बात से होगा कि छठव्रती कितनी सहजता, सुरक्षित वातावरण और सम्मान के साथ पूजा संपन्न कर पाते हैं।

बिहार विकास परिषद जैसी संस्थाओं का योगदान सराहनीय है। सामाजिक संस्थाएं जब अपने स्तर पर घाटों की व्यवस्था करती हैं तो प्रशासन का सहयोग भी अधिक प्रभावी बनता है। छठ पूजा किसी एक प्रदेश या भाषा के लोगों का पर्व नहीं रह गया है। इसमें गुजरात के स्थानीय नागरिक भी सहभागी बनते हैं। यही भारत की सांस्कृतिक विविधता की सबसे बड़ी ताकत है। अलग-अलग भाषाएं, वेशभूषाएं और परंपराएं होने के बावजूद आस्था और मानवीय संवेदना सभी को एक सूत्र में बांधती हैं।

आज आवश्यकता है कि छठ पूजा को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव के रूप में भी देखा जाए। सूर्य और जल की उपासना हमें प्रकृति के महत्व का संदेश देती है। स्वच्छ घाट, निर्मल जल और अनुशासित आयोजन ही इस पर्व की वास्तविक गरिमा को बनाए रख सकते हैं। सूरत में सजते छठ पूजा के घाट इस बात के प्रतीक हैं कि इंसान रोजगार के लिए अपना घर छोड़ सकता है, लेकिन अपनी संस्कृति और संस्कारों को नहीं छोड़ता। हजारों किलोमीटर दूर रहकर भी छठव्रती उसी श्रद्धा से सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं, जिस श्रद्धा से वे अपने गांव में करते आए हैं। उनकी आस्था, तपस्या और समर्पण को नमन करना चाहिए। प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों के सामूहिक सहयोग से यह महापर्व सूरत में भी हर्षोल्लास, शांति और गरिमा के साथ संपन्न हो, यही कामना है।

छठ पूजा हमें सिखाती है कि सच्ची आस्था के लिए स्थान की दूरी बाधा नहीं बनती। जहां श्रद्धा है, वहीं संस्कृति है और जहां संस्कृति है, वहीं भारत की आत्मा जीवित है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी। इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है।भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है। एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रश्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ, अंडे, आदि भी शामिल हो गए हैं। इससे गरीब वर्ग के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। इसके साथ ही, पूर्व में केंद्र सरकार को भारी मात्रा में अन्न का स्टॉक रखना पड़ता था। अन्न के स्टॉक को, बहुत बड़ी मात्रा में, चूहे नुक्सान पहुंचाते थे एवं वर्षा ऋतु में भी अन्न का भारी मात्रा में नुक्सान होता था। अब, चूंकि गेहूं एवं चावल जैसी खाद्य सामग्री को गरीब जनता के बीच सहायता के रूप में बांट दिया जाता है, इससे देश में अन्न की बचत ही हो रही है। केंद्र सरकार के अन्न को स्टोर करने की मद पर भी खर्च बहुत कम हो गया है। आज भारत में गरीब वर्ग भी गेहूं एवं चावल के स्थान पर पोषण सामग्री का अधिक उपयोग कर रहा है। 12 वर्ष पूर्व, भारत में 63 प्रतिशत नागरिकों द्वारा ताजे फलों का सेवन किया जाता था, आज यह संख्या बढ़कर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। देश में दालों एवं फलों जैसी खाद्य सामग्री का उपयोग लगातार बढ़ रहा है।देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छत्तीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है। परंतु केरल में 12 प्रतिशत है तो हिमाचल प्रदेश में 17 प्रतिशत है। इतना बड़ा अंतर, राज्यों द्वारा निर्धारित की जा रही व्यापार की नीतियों में अंतर के चलते दिखाई दे रहा है।

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

संस्कारधानी की स्वच्छता में ऐतिहासिक छलांग

जबलपुर, यशभारत। स्वच्छता के क्षेत्र में संस्कारधानी जबलपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर एक नया कीर्तिमान रचते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण में देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया, जिसे महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, तत्कालीन निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार और वर्तमान निगमायुक्त अग्रिम कुमार ने ग्रहण किया। इस सफलता के पीछे कोई एक दिन की मेहनत नहीं, बल्कि ठोस तकनीकी प्रबंधन, वैज्ञानिक कचरा निष्पादन और प्रशासनिक नवाचारों का लंबा सफर है।

22वें से दूसरे स्थान तक का सफर

जब वर्तमान महापौर ने कार्यभार संभाला था, तब स्वच्छता सर्वेक्षण में जबलपुर देश में 22वें पायदान पर था। वहां से क्रमिक सुधार करते हुए शहर 13वें, फिर पांचवें और अब सीधे दूसरे स्थान पर पहुंचा है। इस सफर की सफलता के पीछे वे तकनीकी और प्रशासनिक बिंदु रहे, जिन्होंने शहर की सूरत बदल दी।

- **वेस्ट टू एनर्जी प्लांट और वैज्ञानिक कचरा प्रोसेसिंग:** शहर में आधुनिक कचरा प्रबंधन के तहत नवंबर-दिसंबर 2025 में वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का संचालन शुरू कराया गया। इसके बाद जनवरी, फरवरी और मार्च 2026 के महज तीन महीनों में लगभग 3.5 लाख टन कचरे की वैज्ञानिक प्रोसेसिंग की गई।
- **डंप साइट्स की मुक्ति और भूमि सुधार:** पुराने कचरे के विशाल ढेरों का निष्पादन कर लगभग 17 एकड़ भूमि



को पूरी तरह कचरा मुक्त कराया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला।

- **थ्री-आर (3R) सेंटर्स का अभिनव प्रयोग:** 'रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल' की अवधारणा पर आधारित थ्री-आर सेंटर बनाए गए, जिनमें बुक बैंक, खिलौना बैंक और कपड़ा बैंक जैसी व्यवस्थाओं के जरिए अनुपयोगी वस्तुओं का पुनः उपयोग सुनिश्चित किया गया।
- **मैदानी मॉनिटरिंग और नाइट स्वीपिंग:** व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए निगमायुक्त द्वारा प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से मैदानी निरीक्षण किया गया। इसके अलावा, प्रमुख व्यस्त मार्गों पर रात्रिकालीन सफाई (नाइट स्वीपिंग) को प्रभावी बनाया गया।
- कड़े नियम और प्रवर्तन : सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों पर निरंतर 'स्पॉट फाइन' की कार्रवाई की गई तथा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने के लिए लगातार जब्ती अभियान चलाए गए।

डुमना में स्वागत और अब 'नंबर वन' की तैयारी

जबलपुर के राष्ट्रीय पटल पर चमकने और दूसरा स्थान हासिल करने के बाद संस्कारधानी लौटने पर महापौर, निगमायुक्तों और सफाई मित्रों का शहर में अभूतपूर्व और जोरदार स्वागत किया गया। नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने फूल-मालाओं से इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाया। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने यह पुरस्कार शहर के प्रत्येक देवतुल्य नागरिकों और सफाई मित्रों को समर्पित किया। साथ ही, स्पष्ट किया कि यह सम्मान केवल एक पड़ाव है, और अब जबलपुर का अगला लक्ष्य देश में 'नंबर वन' बनने का है। शहरवासियों और सफाई मित्रों के इस जोश से यह तय है कि संस्कारधानी स्वच्छता के मामले में नए कीर्तिमान गढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

धनतेरस पर सबसे ज्यादा जगमगाया शहर, दीवाली को छोड़ा पीछे

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर में बिजली खपत के आंकड़े बताते हैं कि दीवाली से कहीं ज्यादा धन-तेरस के दिन चमक-दमक व सजावट रही। हालाँकि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 11 फीसदी ज्यादा बिजली की रोशनी की रही। मजेदार बात तो यह है कि दीवाली एवं धन-तेरस में की गई सजावट दुर्गोत्सव को पीछे नहीं छोड़ पाई।

पिछले साल के मुकाबले दीपावली पर 17 फीसदी अधिक बिजली खपत, धनतेरस पर पीक लोड 245 मेगावाट रहा, दुर्गोत्सव में सबसे ज्यादा 296 मेगावाट बिजली की मांग



सच कहें तो आंकड़े झूठ नहीं बोलते, यही वजह है कि वे कभी-कभी चौंकाते हैं। मसलन इस बार शहर में बिजली खपत के जो आंकड़े मिले हैं, वे दर्शाते हैं कि धन-तेरस के दिन पीक लोड आवर पर 245 मेगावाट बिजली की खपत हुई। जो इस दीपोत्सव पर सबसे ज्यादा थी। छोटी दीवाली अर्थात रूप-चतुर्दशी के दिन बिजली की खपत घटकर 241 मेगावाट पर आई। इसी प्रकार यह खपत दीवाली के दिन 230 मेगावाट दर्ज हुई, हालाँकि पिछली दीवाली जो 20 अक्टूबर 2025 को थी, तब बिजली की मांग 196 मेगावाट तक ही पहुँची थी। जो पिछले साल से लगभग 17 फीसदी ज्यादा खपत है । उसके पूर्व 2024 में यह खपत 190.3 मेगावाट ही थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि दीवाली की रात दुकानों की सजावट प्रायः खत्म सी हो जाती है, जबकि धन-तेरस के दिन घरों के साथ-साथ दुकानों की साज-सज्जा भी शबाब पर रहती है। जिस कारण दीवाली से कहीं ज्यादा धन-तेरस के दिन ज्यादा मेगावाट बिजली खर्च हुई। वहीं दूसरी ओर नवरात्र के दौरान घर-घर में सजावट भले न हो लेकिन दुर्गा-पंडालों, मंदिरों व सड़कों पर काफी सजावट की जाती है। साथ ही दुकानों पर भी उपभोक्ताओं को लुभाने पर्याप्त साज-सज्जा की जाती है। जिस कारण इस दौरान बिजली की सर्वाधिक खपत 296 मेगावाट (18 अक्टूबर 2026) तक पहुँची थी। प्रदेश स्तर की बिजली खपत पर नजर डाली जाए तो इस दीवाली पर 17 हजार 893 मेगावाट मांग तक पहुँच गई, जो पिछले वर्ष से करीब 43 फीसदी अधिक थी। पिछले वर्ष यह खपत 12 हजार 452 मेगावाट तक पहुँची थी।

दीवाली पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिये चौक-चौकस प्रबंध

इस दीवाली पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो इसके लिये काफी चौकसी बरती गई। एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी के अनुसार 1278 ट्रांसमिशन लाइनों और 418 अतिरिक्त हाई टेंशन सब-स्टेशनों से सतत विद्युत आपूर्ति की गई, हर सब-स्टेशनों पर रात्रि में निगरानी हेतु कर्मियों को तैनात किया गया था।

पारे में आंशिक गिरावट, मौसम शुष्क रहने की संभावना

किसानों को सलाह,कम पानी वाली फसलों को प्राथमिकता दें



जबलपुर यश भारत। मौसम में किंचित गिरावट के साथ आगे मौसम शुष्क रहने की संभावना मौसम विभाग ने जताते हुए कहा कि वर्तमान में फसलों की बुबाई में कम पानी वाली फसलें मसूर चना आदि को प्राथमिकता दें तो अच्छा होगा। ठंड को लेकर कहा गया है कि अभी पारे में किंचित गिरावट आई है। लेकिन आने वाले समय ठंड बढ़ने की संभावना है। अतः बदलते मौसम को देखते हुए अपने खान-पान के साथ गर्म कपड़े पहनें। यद्यपि पाकिस्तान के आसपास और उत्तर प्रदेश के ऊपर चक्रवाती विछोभ है। लेकिन मध्य प्रदेश में उसका कोई असर नहीं होगा। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को पारा किंचित गिरावट के साथ 12.8 सेल्सियस दर्ज किया गया जो गत दिवस की अपेक्षा.4 कम यानि सामान्य से 3 डिग्री कम रहा। आद्रता 73 फीसदी रही जबकि गत दिवस आद्रता 62.3 रही यानि आद्रता में 10 फीसदी की वृद्धि आंकी गई। बहरहाल मौसम विभाग ने मौसम में बदलाव के चलते लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए किसानों को अतिरिक्त सलाह दी है कि वे सरसों,तुरई की बुबाई के साथ रबी फसल के लिए सहकारी समितियों के माध्यम से खाद उर्वरक आदि का समय रहते इंतजाम कर लें। ताकि फसल का अधिक से अधिक उत्पादन का लाभ अर्जित कर सकें।

किसना ज्वेलर्स में सनसनीखेज चोरी

पिछले हिस्से की दीवार में सेंध लगाकर घुसे चोर, डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी लेकर रफू-चक्कर





दीवाली की वजह से शो रूम में था करोड़ों का स्टाक

कटनी, यशभारत। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एलआईसी के पास बरगवां स्थित किसना ज्वेलर्स में बीती रात अज्ञात चोरों ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने ज्वेलर्स के पिछले हिस्से में दीवार पर सेंध लगाकर इस वारदात को अंजाम दिया और ज्वेलरी लेकर रफू चक्कर हो गए। जानकारी के मुताबिक चोरों ने शो रूम के अंदर घुसकर गोल्ड और डायमंड ज्वेलरी पर हाथ साफ किया। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि किसना ज्वेलर्स में कितने की चोरी हुई है। आज सुबह जब ज्वेलर्स के कर्मचारी दुकान खोलने पहुंचे, तब शो रूम के अंदर का दृश्य देखकर हतप्रभ रह गए। उन्होंने तत्काल ज्वेलर्स संचालक मोहन बजाज को घटना की सूचना दी। उन्होंने इसकी सूचना माधवनगर पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तफ्तीश शुरू की। किसना ज्वेलर्स में वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. कमल मौर्य के साथ अन्य पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने ज्वेलरी शॉप के अंदर से लेकर पिछले हिस्से का मुआयना किया और जांच पड़ताल की। पुलिस सीसीटीव्ही फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि चोरों का पता लगाया जा सके। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि चोर ज्वेलरी शॉप से कितने का जेवरात ले गए। फिर भी एक आंकलन के अनुसार दुकान से करीब 10 करोड़ से ज्यादा की ज्वेलरी चोरी जाने का अनुमान है। वारदात का खुलासा करने के लिए डॉग स्कवाड और फिंगर प्रिंट एक्पर्ट को भी बुलाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक अज्ञात चोरों ने किसना ज्वेलर्स के पिछले हिस्से में दीवार पर सेंध लगाकर अंदर प्रवेश किया और ज्वेलरी लेकर फरार हो गए। पुलिस





जब यहां पहुंची तो यहां से पाना, पिंचिस और पेंचकस मिले। पुलिस ने इन्हें जब्त किया। अभी इस मामले को लेकर किसी भी पुलिस अधिकारी से बात नहीं हो सकी है।

अग्निकांड के बाद फूटा जनाक्रोश, बंद रहा बरही

व्यापारियों ने नहीं खोले दुकानों के ताले

दोषी अफसरों की जवाबदेही, एफआईआर और बर्खास्तगी की मांग



बरही/कटनी, यशभारत। दीपावली की रात बरही नगर में हुए हृदयविदारक अग्निकांड में अग्रवाल परिवार के आधा दर्जन सदस्यों की जिंदा जलकर मौत के मामले ने अब जनाक्रोश का रूप ले लिया है। घटना के पांच दिन बीत जाने के बाद भी घटना के लिए दोषी जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कोई ठोस वैधानिक कार्रवाई नहीं होने से नाराज नगरवासियों और व्यापारियों ने आज गुरुवार को बरही बंद का आव्हान किया। बंद के समर्थन में व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठानों के ताले नहीं खोले। होटल से लेकर मेडिकल स्टोर्स तक बंद रहे और पूरा बरही नगर बंद नजर आया। नगरवासियों एवं व्यापारियों में सरकारी व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर गहरी नाराजगी देखी गई। इस दौरान पूरा बरही नगर स्वस्फूर्त बंद रहा। लोगों ने कहा कि घटना के 5 दिन बाद भी प्रशासन जांच के नाम पर पूरे मामले में लीपापोती कर रहा है। जिन अफसरों के विरूद्ध कार्रवाई होनी चाहिए, उन्हें ही जांच का जिम्मा सौंपा गया है। बरही बंद के दौरान 11 बजे नगर के लोग कमानिया गेट में एकत्रित हुए और जिम्मेदार लापरवाह प्रशासनिक अधिकारियों पर जबाबदेही तय करने की पुरजोर मांग कर रहे है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि अग्निकांड के दौरान राहत एवं बचाव कार्य में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए। उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर सेवा से बर्खास्त करने जैसी कठोर कार्रवाई की जाए। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते प्रशासनिक अमला सक्रिय होता और राहत बचाव के पर्याप्त इंतजाम किए जाते तो छह अनमोल जिंदगियों को बचाया जा सकता था। गौरतलब है कि दीपावली की रात बरही नगर के पूरन अग्रवाल के तीन मंजिला दुकान एवं आवासीय भवन में भीषण आग भड़क उठी थी। इस दर्दनाक हादसे में 77 वर्षीय पूरन अग्रवाल, उनकी पत्नी चंद्रकला अग्रवाल, बहू सोनम अग्रवाल, दो माह का मासूम अर्विश, 12 वर्षीय आर्या और 6 वर्षीय अन्वी की मौत हो गई थी।



होटल और मेडिकल स्टोर्स भी रहे बंद

गुरुवार सुबह से ही नगर में बंद का व्यापक असर देखने को मिला। व्यापारियों ने अपनी दुकानों के शटर नहीं खोले। होटल संचालकों और मेडिकल स्टोर संचालकों ने भी बंद का समर्थन करते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। आवश्यक सेवाओं से जुड़े प्रतिष्ठानों के बंद रहने से भी नगर में बंद का असर साफ दिखाई दिया। छह लोगों की असमय मौत से आहत नगरवासी अब केवल आश्वासनों से संतुष्ट होने को तैयार नहीं हैं। उनकी मांग है कि इस हृदयविदारक हादसे की निष्पक्ष जांच हो। लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों को चिह्नित किया जाए और उनके विरुद्ध जवाबदेही तय करते हुए ठोस कार्रवाई की जाए।

9 घंटे तक जिम्मेदारों की गैर मौजूदगी पर उठे सवाल

हादसे के बाद राहत एवं बचाव कार्य के दौरान करीब नौ घंटे तक स्थानीय एवं जिला स्तर के जिम्मेदार अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार मौके पर बरही थाना के दो कर्मचारी, नगर परिषद के दमकल प्रभारी तीरथ चतुर्वेदी और नगर परिषद अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल के अलावा अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की मौजूदगी नहीं रही।

20 नवंबर को यूपीएससी की बैठक में तय होंगे नाम, 23 से पहले आ सकता है बड़ा फैसला

भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक के चयन को लेकर प्रशासनिक गलियारों में काउंटडाउन शुरू हो गया है। संघ लोक सेवा आयोग ने इस अहम प्रक्रिया के तहत 20 नवंबर को दोपहर 3 बजे नई दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठकबुलाई है। इस बैठक में प्रदेश के नए पुलिस मुखिया के लिए योग्य नामों पर मंथन किया जाएगा, जिसके बाद तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का पैनल तैयार कर राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

बैठक में तय होगी राज्य के अगले मुखिया की तस्वीर

दिल्ली में होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रशासनिक स्तर पर कई दिग्गज शामिल होंगे। इनमें मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय शुक्लाऔर वर्तमान डीजीपी कैलाश मकवाणा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यूपीएससी की मुहर लगने के बाद तैयार होने वाले तीन नामों के पैनल में से ही राज्य सरकार किसी एक अनुभवी चेहरे को प्रदेश की कमान सौंपेगी। इस चयन प्रक्रिया के समीकरणों में एक अहम बदलाव भी देखने को मिला है। शुरुआती सूची में 12 आईपीएस अधिकारियों के नाम शामिल थे, लेकिन विशेष पुलिस महानिदेशक जी. अखोटे द्वारा अपनी दावेदारी वापस लिए जाने के बाद अब मैदान में 11 वरिष्ठ अधिकारी ही बचे हैं। 20 नवंबर को होने वाली बैठक में इन्हीं 11 अधिकारियों की वरिष्ठता, उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड और पात्रता के मानकों पर बारीकी से समीक्षा होगी।

रेस में जिन प्रमुख नामों पर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, उनमें:

विशेष पुलिस महानिदेशक उपेंद्र जैन
प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव
वरुण कपूर
पंकज श्रीवास्तव
आदर्श कटियार
सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। हालांकि, अंतिम मुहर यूपीएससी के पैनल पर ही निर्भर करेगी।

अमिताभ बच्चन की 95 वर्षीय सास इंदिरा भादुड़ी की तबीयत बिगड़ी, भोपाल के पारुल अस्पताल में भर्ती

भोपाल, यशभारत। सुपरस्टार अमिताभ बच्चन की 95 वर्षीय सास और जया बच्चन की माता इंदिरा भादुड़ी की तबीयत अचानक बिगड़ गई है, जिसके बाद उन्हें भोपाल के पारुल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। परिजनों के अनुसार, उन्हें एलर्जी की शिकायत है। यह परेशानी उन्हें बीच-बीच में सामने आती है, और स्वास्थ्य अधिक बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल लाया गया। फिलहाल उनकी सेहत में सुधार बताया जा रहा है और डॉक्टर लगातार उनकी रिकवरी पर नजर बनाए हुए हैं। अस्पताल से उन्हें कब छुट्टी मिलेगी, इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि स्वास्थ्य में सुधार और रिकवरी के आधार पर ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। गौरतलब है कि इंदिरा भादुड़ी का परिवार शहर के श्यामला हिल्स स्थित अंसल अपार्टमेंट में रहता है। इससे पहले फरवरी 2020 में अमिताभ बच्चन अपनी सास का 90वां जन्मदिन मनाने भोपाल आए थे।



इस प्रकार आप रहेंगे सेहतमंद

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप हर दिन 30 से 40 मिनट एक्सरसाइज करते हैं तो आप बहुत सी बीमारियों से दूर रहते हैं। एक सर्वेक्षण में कहा गया है अगर कोई आदमी 70 साल का है और वह हर रोज एक्सरसाइज करता है तो उसकी उम्र बढ़ जाती है और बीमारियों से भी दूर रहता है। यह स्वस्थ रहने के लिए यह सबसे बड़ा नुस्खा है।

पौष्टिक भोजन

स्वस्थ रहने के लिए अच्छा भोजन या कहें बैलेंस डाइट की बहुत जरूरत होती है क्योंकि आप जानते हैं ज्यादातर बीमारी गलत डाइट से होती है इसलिए बैलेंस डाइट को अपनाएं! आपके भोजन में उपयुक्त 3 से 5 लीटर पानी पिए हैं। फल और सब्जी खाएं, खाना को चबाकर खाएं, रात में कम खाना कम खाएं, किसी भी एक चीज का ज्यादा मात्रा में सेवन ना करें। कोशिश करें प्रकृति ने जो कुछ आपको खाने के लिए दिया है वह सबकुछ का मजा लें।

स्वस्थ मस्तिष्क

यह आपके जिंदगी का यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है! लोग इस पर ध्यान कम देते हैं ! दुख देने वाले से दूर रहें, सोते समय ना सोचे, कमाई से अधिक खर्च ना करें, किसी से झूठा वादा ना करें, जिसको आप पूरा ना कर सके, बिना मतलब का कुछ ना सोचें हैं, अच्छे लोगों से मिले हैं और उसे दोस्त करें खूब हंसे और दूसरे को हंसाने की कोशिश करें। दिमाग का सीधा रिश्ता दिल से होता है अगर आप तनाव में रहते हैं तो आपका ब्लड प्रेशर बढ़ता है जिस से बहुत सारी बीमारियां होती हैं जैसे हार्ट अटैक आदि। अपने लाइफ स्टाइल को ठीक करें जल्दी सोए और जल्दी जगे। चिंता, क्रोध, शोक, शक और दूसरों से उम्मीद करना छोड़ें।

अच्छी नींद

वैज्ञानिक मानते हैं कि नींद सबसे बड़ी दवा है आप गौर कीजिए जब आप काम करके बहुत ज्यादा थक जाते हैं। अगर आप गहरी नींद से सोते हैं तो सुबह अपने आप को आप तरोताजा पाते हैं। इसीलिए कहा जाता है अच्छी नींद का होना बहुत जरुरी है। कम नींद होना या ज्यादा नींद का होना इसका सीधा प्रभाव स्वास्थ्य पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययन से पाया गया है कि 8 घंटा से ज्यादा और 6 घंटे से कम नहीं सोना चाहिए। सोते समय सोचना नहीं चाहिए जिससे आपकी नींद खराब होती है और आप सही सोच भी नहीं पाते हैं क्योंकि आप थके हुए होते हैं! लोग अपनी बीमारियों को डालने की कोशिश करता है या फिर अपनी बीमारियों को झूठलाता है कि मुझे यह बीमारी नहीं है इसका चयन स्वयं करें। डॉक्टरी सलाह अवश्य लें समय रहते अगर आप डॉक्टर से मिलते हैं तो आप का इलाज कम खर्च में जल्दी हो जाता है। विश्व स्वास्थ संगठन अपने गाइडलाइंस में कई बार बता चुका है कि आप हर रोज पांच अलग कलर का फल खाएं! संडे हो या मंडे हर दिन एक अंडे कम से कम खाएं। साफ पानी तीन से 5 मीटर हर दिन पीने की कोशिश करें! दूध का इस्तेमाल करें चाय पीने में दूध का इस्तेमाल होना इसे दूध का सेवन नहीं माना जाता है दूध पिए हैं या धूप से बना हुआ खाना खाएं।

तनाव, अनिद्रा व नशे से होता है पेटदर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। तनाव, अनिद्रा व नशे का प्रभाव पेट पर पड़ता है और इससे कब्ज के साथ ही पेटदर्द भी होता है। इसका कारण यह है कि जब दिमाग में नकारात्मक विचार आते हैं तो आंतों पर असर होता है जिससे पेटदर्द व कब्ज की शिकायत होती है। आईबीएस यानी इरिटेबल बाउल सिंड्रोम पाचनतंत्र से जुड़ी आम समस्या है। इसकी एक बड़ी वजह तनाव या अन्य कारणों से मस्तिष्क की कार्यप्रणाली प्रभावित होना है। जब दिमाग में नकारात्मक विचार आते हैं तो आंतों पर असर होता है जिससे पेटदर्द व कब्ज की शिकायत होती है। वहीं व्यक्ति जब नींद लेता है तो उसे इन लक्षणों का अहसास नहीं होता।

लक्षण

पेटदर्द, ऐंठन, आंतों का काम बंद होना, दस्त, तनाव, कब्ज, नींद की कमी व एसिडिटी आईबीएस के प्रमुख लक्षण हैं। पेट का ठीक से साफ न होना व खट्टी डकारें आना। जी मिचलाना और दिन में बार-बार मल त्याग की इच्छा होना। गंभीर स्थिति (60 प्रतिशत मामले) में बुखार आना और खून की कमी। शरीर में पानी की कमी और अपच। स्वस्थ व्यक्ति की आंतों का संतुलन अचानक बिगडऩे का कारण तनाव, अनिद्रा और नशा प्रमुख वजह हैं। जठराग्नि के गड़बड़ाने से भी व्यक्ति के दिमाग में वहम की स्थिति बनी रहती है और वह खुद को रोगी मानने लगता है। पुराने चावल, तुरई, लौकी, अनार, मूंग की दाल, ज्वार, सौंठ, कालीमिर्च, अदरक, लस्सी, धनिया, पुदीना, इलायची व जीरा विभिन्न तरह से प्रयोग में लें। कुछ मामलों में आईबीएस के कारण सिरदर्द, कमरदर्द, जोड़ों व सीने में दर्द होता है। अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा एसिडिटी के कारण भी हो सकता है। मक्के की रोटी, आलू, कद्दू, जिमिकंद, अनानास, लोबिया, राजमा, प्याज, बेसन आदि से बनी चीजों को कम या न के बराबर ही खाएं।



आईबीएस का इलाज लक्षणों के आधार पर होता है। प्लेसिबो तकनीक से रोगी का इलाज करते हैं। इसमें मरीज को दिमागी कार्यप्रणाली सुचारू करने के लिए दवाएं दी जाती हैं। पेट में दर्द, ऐंठन, कब्ज या दस्त, बुखार आदि समस्याओं में दवाएं दी जाती हैं। साथ ही शरीर में पानी की कमी होने पर इंट्रावेनस फ्लूड बाहरी रूप से देते हैं। दिमाग को तंदुरुस्त रखने के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड युक्त चीजें खाने और मेडिटेशन आदि करने की सलाह देते हैं। तनाव से बचने के लिए नियमित योग और व्यायाम करें। कैफीन युक्त चीजें जैसे चाय, कॉफी या शीतल पेय न लें। खानपान पर विशेष ध्यान दें, रोजाना 8 -9 गिलास पानी पीएं। कब्ज के कारण वाले पदार्थ जैसे शराब-सिगरेट से दूर रहें। फाइबरयुक्त फूड जैसे केला, सेब, गाजर आदि खाएं। तलाभुना व मसालेदार भोजन न करें। फूलगोभी, पत्तागोभी और मिर्च न खाएं। मानसिक रूप से यदि कोई तनाव, अवसाद का रूप ले रहा है तो परिवार के सदस्यों और दोस्तों से बात साझा करें। आयुर्वेद में इस रोग को गृहणी दोष कहते हैं। इसमें रोगी को किसी प्रकार का गंभीर रोग होने की आशंका रहती है। कच्चे बील का चूर्ण, नमकीन छाछ (भुना जीरा, काला नमक व पुदीना मिली हुई), पीने से फायदा होता है। ब्राह्मी, शंखपुष्पी, अश्वगंधा का प्रयोग उपयोगी है। मेडिटेशन, शवासन व प्राणायाम करने से राहत मिलती है।



गर्म पानी के साथ गुड़ का सेवन है लाभदायक

नई दिल्ली, एजेंसी। *गुड़ का सेवन सेहत के लिए लाभदायक होता है। अगर आपका पेट बाहर निकल रहा है और वजन भी बढ़ रहा है तो ऐसे हालात में आपको गुड़ के साथ गर्म पानी का सेवन जरूर करना चाहिए। आपको दो टुकड़ा गुड़ ले लेना है और उसके बाद एक ग्लास गर्म पानी पी लेना है। गुड़ में मौजूद पोटैशियम, विटामिन बी1 और बी6 के साथ मैग्नीशियम भी पाया जाता है। इसके नियमित तौर पर इसका सेवन करते हैं तो इससे एक्स्ट्रा कैलरीज बर्न करने में मदद मिलती है.*

नींद न आने की समस्या से राहत

अगर आप रात के समय ठीक से सो नहीं पाते हैं या फिर रात को सोते समय आपको बेचैनी महसूस होती है तो ऐसे में आपको गुड़ के साथ गर्म पानी का सेवन जरूर करना चाहिए। गुड़ में आपको एंटी-डिप्रेसेंट प्रॉपर्टीज पाए जाते हैं जो स्ट्रेस लेवल्स को कम करते हैं और इसके साथ ही बेहतर नींद आने में आपकी मदद करते हैं.

पेट की कई समस्याओं से मुक्ति

अगर आपको पेट से जुड़ी कोई समस्या है तो ऐसे में आपको हर रात सोने से पहले एक टुकड़े गुड़ के साथ एक ग्लास गर्म पानी पी लेना चाहिए। इसके नियमित सेवन से आपका पेट साफ होता है कब्ज की समस्या से छुटकारा मिल सकता है.

तीन प्रकार की होती है हरड़

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वस्थ रहने के लिए हरड़ का प्रयोग नियमित करना चाहिए। शास्त्र में इसकी सात जातियां बतायी गयी है। विजया, रोहिणी, पूतना, अमृता, अभया, जीवंती और चैतकी। व्यावहारिक दृष्टिकोण से तीन प्रकार की होती है। छोटी हर्रे, पीली हर्रे और बड़ी हर्रे। यह तीनों एक ही वृक्ष के फल है। यह कॉम्ब्रेटेसी परिवार का पौधा है। इसका उपयोगी भाग फल है।इसका वृक्ष विशाल लगभग 80-100 फीट ऊंचा होता है। फूल छोटा, सफेद या पीले रंग का होता है। फल एक से डेढ़ इंच लंबा अंडाकार, पृष्ठ भाग पर पांच रेखाओं से युक्त, कच्चा में हरा, पकने पर धूसर पीला रंग का हो जाता है। प्रत्येक फल में एक बीज होता है। पके हुए फलों का संग्रहण अप्रैल-मई माह में करना चाहिए। यह कफ वात व पित जनित रोगों में उपयोगी है। पाचन शक्ति बढ़ती है। खांसी, सांस, कुष्ठ, बवासीर, पुराना ज्वर, मलेरिया, गैस, अपच, प्यास, त्वचा रोग, पेशाब की जलन, आंखों के रोग, दस्त, पीलिया आदि में लाभदायक है। खट्टेपन से वात रोगों को दूर करती है। चटपटेपन से पित रोग और कसैलेपन से कफ का नाश करती है। इसका सेवन बरसात में सेंधा नमक के साथ, जोड़ों में मिश्री के साथ, हेमंत ऋतु में सोंठ के साथ, बसंत ऋतु में शहद के साथ, गर्मी में गुड़ के साथ करना चाहिए। खाना खाने से पहले इसे लेने से भूख बढ़ती है। बाद में खाने से खाना आसानी से पचता है छोटी हर्रे का चूर्ण लगभग चार से छह ग्राम रात में भोजन करने के एक से दो घंटे बाद पानी के साथ प्रयोग करने से कब्ज की समस्या दूर होती है। इसका चूर्ण गुड़ व गिलोथ के काढ़े के साथ प्रयोग करने से गठिया में आराम मिलता है। इसे तंबाकू की तरह चिलम में रखकर पीने से सांस की समस्या दूर होती है मुख व गले के रोगों में इसका काढ़ा बना कर कुल्ला किया जाता है। इसका चूर्ण दो ग्राम गुड़ के साथ खाना चाहिए। छोटी हर्रे को सुपारी की तरह छोटा-छोटा टुकड़ा कर लें और दिन में खाना खाने के बाद लगभग एक टुकड़े को मुंह में डाल कर अच्छी तरह से चबाना चाहिए। इसके नियमित प्रयोग से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।



ईपीएफओ की न्यूनतम पेंशन तीन हजार रुपये करने की मांग पर 19 नवंबर को हो सकता है विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। निजी क्षेत्र में नौकरी कर चुके लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग एक बार फिर चर्चा में है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत मिलने वाली न्यूनतम मासिक पेंशन को मौजूदा एक हजार रुपये से बढ़ाकर तीन हजार रुपये करने का प्रस्ताव सामने आया है। माना जा रहा है कि 19 नवंबर को गुजरात के गिर में होने वाली केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की बैठक में इस मुद्दे पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, पेंशन बढ़ाने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक फैसला नहीं हुआ है। ईपीएफओ के तहत कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) से जुड़े पेंशनभोगियों को फिलहाल न्यूनतम एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जाती है। कर्मचारी संगठनों और ट्रेड यूनियनों का कहना है कि मौजूदा पेंशन राशि आज की महंगाई के दौर में पर्याप्त नहीं है। उनका तर्क है कि लंबे समय तक निजी क्षेत्र में काम करने के बाद सेवानिवृत्त हुए लोगों के लिए एक हजार रुपये में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल है। इसी वजह से वे लंबे समय से न्यूनतम पेंशन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश में ईपीएफओ की पेंशन योजना से करीब 81.48 लाख पेंशनभोगी जुड़े हुए हैं। न्यूनतम पेंशन को तीन हजार रुपये करने का प्रस्ताव लागू होने पर इन लोगों को राहत मिल सकती है। हालांकि, अभी यह केवल मांग और प्रस्ताव के स्तर पर है। 19 नवंबर को होने वाली सीबीटी की बैठक में इस पर चर्चा होती है या नहीं और



आगे क्या निर्णय लिया जाता है, यह स्पष्ट होना बाकी है। ईपीएफओ की न्यूनतम पेंशन में आखिरी बार वर्ष 2014 में बदलाव किया गया था। उस समय न्यूनतम मासिक पेंशन को 250 रुपये से बढ़ाकर एक हजार रुपये किया गया था। इसी दौरान ईपीएफओ के तहत पेंशन की गणना के लिए वेतन सीमा भी 6,500 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये प्रतिमाह कर दी गई थी। इसके बाद से न्यूनतम पेंशन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। वर्ष 2014 के बाद से ही पेंशनभोगी और कर्मचारी संगठन न्यूनतम पेंशन की राशि बढ़ाने की मांग उठाते रहे हैं। उनका कहना है कि बीते वर्षों में महंगाई और जीवनयापन का खर्च लगातार बढ़ा है, लेकिन न्यूनतम पेंशन की राशि पहले जैसी ही बनी हुई है। ऐसे में तीन हजार रुपये न्यूनतम पेंशन करने की मांग को फिर से प्रमुखता मिली है। पेंशनभोगियों को उम्मीद है कि आगामी बैठक में इस विषय पर सकारात्मक चर्चा हो सकती है। निजी क्षेत्र के पात्र कर्मचारियों के वेतन से हर महीने भविष्य निधि यानी पीएफ में योगदान किया जाता है। सामान्य तौर पर कर्मचारी अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 12 प्रतिशत हिस्सा पीएफ खाते में जमा करते हैं। नियोक्ता भी इतनी ही राशि का योगदान करता है। हालांकि, नियोक्ता के कुल 12 प्रतिशत योगदान का पूरा हिस्सा कर्मचारी के पीएफ खाते में नहीं जाता, बल्कि इसका एक हिस्सा कर्मचारी पेंशन योजना के लिए निर्धारित होता है। नियोक्ता के 12 प्रतिशत योगदान में से 8.33 प्रतिशत हिस्सा कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) में जमा किया जाता है, जबकि शेष 3.67 प्रतिशत कर्मचारी के ईपीएफ खाते में जाता है। इस तरह कर्मचारी और नियोक्ता के योगदान का बंटवारा अलग-अलग मदों में होता है। ईपीएस में जमा होने वाली राशि का उपयोग पात्र कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन देने के लिए किया जाता है। मौजूदा 15 हजार रुपये की ईपीएस वेतन सीमा के आधार पर नियोक्ता की ओर से पेंशन योजना में अधिकतम मासिक योगदान 1,249.50 रुपये होता है।

दिवाली पर हवाई सफर महंगा उड़ानों में भी छह फीसदी की कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में दिवाली का त्योहार आमतौर पर हवाई यात्रा के लिहाज से सबसे व्यस्त समय में शामिल होता है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए अपने घरों का रुख करते हैं। हालांकि, इस साल यात्रियों को महंगे टिकट और कम उड़ानों की दोहरी परेशानी का सामना करना पड़ा। परिचालन लागत में लगातार बढ़ोतरी के दबाव में एयरलाइंस ने अपनी उड़ानों की संख्या घटा दी, जिससे त्योहार के दौरान हवाई यात्रा करना लोगों के लिए महंगा हो गया। एविएशन विश्लेषण कंपनी सिरियम के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय एयरलाइंस ने अक्टूबर और नवंबर 2026 में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब छह फीसदी कम उड़ानें निर्धारित की हैं। कोरोना महामारी के बाद यह पहला मौका है, जब दिवाली के आसपास उड़ानों की संख्या में सालाना आधार पर गिरावट दर्ज की गई है। त्योहार के समय आमतौर पर यात्रियों की संख्या बढ़ती है और एयरलाइंस अधिक उड़ानें संचालित करती हैं, लेकिन इस बार लागत के दबाव ने कंपनियों की क्षमता पर असर डाला है।



उड़ानों की संख्या घटने और त्योहार के दौरान यात्रा की मांग बढ़ने से कई मार्गों पर हवाई किराए में काफी उछाल आया है। इसका असर उन यात्रियों पर अधिक पड़ा, जिन्हें कम समय में यात्रा की योजना बनानी पड़ी। हैदराबाद से सिलीगुड़ी जाने वाले एक यात्री को एक तरफ के टिकट के लिए 20 हजार रुपये से अधिक खर्च करने पड़े। बताया गया कि यह किराया सामान्य दिनों में आने-जाने के टिकट के बराबर था। ऐसे में त्योहार पर घर जाने की योजना बना रहे लोगों का बजट प्रभावित हुआ। महंगे टिकटों का असर हवाई यात्रा की मांग पर भी दिखाई देने लगा है। सितंबर 2026 में देश में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 6.5 फीसदी घट गई।

यूपीआई भुगतान पर नए शुल्क की तैयारी, 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा लेनदेन पर लगेगा एमडीआर

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन समाप्त होने के बाद अब यूपीआई से भुगतान करने वाले लोगों और कारोबारियों की नजर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर टिकी है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से यूपीआई लेनदेन पर नए शुल्क लागू करने की तारीख का ऐलान जल्द किया जा सकता है। पहले इन शुल्कों को 15 अक्टूबर से लागू करने की योजना थी, लेकिन दिवाली और त्योहारी खरीदारी को देखते हुए इनके क्रियान्वयन को टाल दिया गया था। अब त्योहारों का सिलसिला समाप्त होने के बाद व्यापारियों और भुगतान सेवा से जुड़े लोगों को नई तारीख की घोषणा का इंतजार है। एनपीसीआई के प्रस्तावित नियमों के अनुसार, दो



हजार रुपये से अधिक के चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाया जा सकता है। यह शुल्क उन भुगतानों पर लागू होगा, जिनकी श्रेणी प्रस्तावित नियमों के दायरे में आती है। हालांकि, प्रति लेनदेन शुल्क की अधिकतम सीमा 300 रुपये तय की गई है। इसका मतलब है कि भुगतान की राशि अधिक होने पर भी व्यापारी को एक लेनदेन के लिए अधिकतम 300 रुपये ही शुल्क देना होगा। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी व्यापारी को यूपीआई के माध्यम से एक लाख रुपये का भुगतान मिलता है, तो प्रस्तावित दर के अनुसार 0.4 प्रतिशत शुल्क 400 रुपये बनता है। लेकिन अधिकतम सीमा 300 रुपये होने के कारण व्यापारी को केवल 300 रुपये ही देने होंगे। इस व्यवस्था के तहत शुल्क की गणना भुगतान की राशि के आधार पर होगी, लेकिन तय सीमा से अधिक रकम नहीं ली जाएगी। हालांकि, यह नियम सभी प्रकार के यूपीआई भुगतानों पर लागू नहीं होगा। कुछ विशेष क्षेत्रों के लिए रियायती शुल्क का प्रस्ताव रखा गया है। रेलवे, दूरसंचार, बीमा और पेट्रोल-डीजल जैसे क्षेत्रों में दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान पर प्रति लेनदेन पांच रुपये शुल्क निर्धारित करने की बात कही गई है।

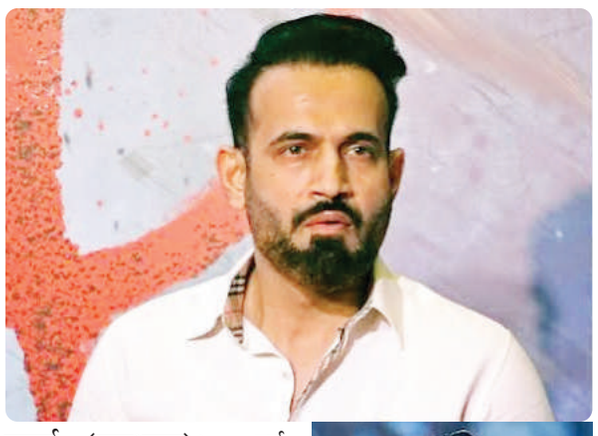
मदर डेयरी ने दूध के दाम दो से चार रुपये प्रति लीटर बढ़ाए

नई दिल्ली, एजेंसी। मदर डेयरी ने बढ़ती लागत का हवाला देते हुए दूध की कीमतों में दो से चार रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। नई दरें 12 नवंबर से लागू होंगी। दिल्ली-एनसीआर में दूध की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता कंपनी ने अपने खुले दूध की विभिन्न किस्मों के साथ पैकेट वाले दूध के दाम भी बढ़ाए हैं। कीमतों में इस बदलाव से उपभोक्ताओं को अब दूध खरीदने के लिए पहले से अधिक राशि खर्च करनी होगी। कंपनी ने इससे पहले 14 मई 2026 को दूध के दाम बढ़ाए थे। इसके पहले अप्रैल 2025 में कीमतों में संशोधन किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, किसानों से दूध की खरीद कीमतों में वृद्धि होने के कारण कंपनी की लागत बढ़ गई है। इसी वजह से बढ़ी हुई लागत का कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का फैसला किया गया है। मदर डेयरी अपनी दूध बिक्री से होने वाली आय का करीब 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा किसानों को देती है। ऐसे में दूध की खरीद कीमतों में बदलाव का असर कंपनी की कुल लागत पर पड़ता है। हालांकि, कंपनी के प्रवक्ता ने कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। नई दरों के



अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में टोंड दूध (थोक वितरण) की कीमत 58 रुपये से बढ़ाकर 60 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। वहीं, फुल क्रीम दूध के एक लीटर पाउच की कीमत 72 रुपये से बढ़कर 76 रुपये हो गई है। इस किस्म के दूध के दाम में चार रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। कंपनी की ओर से अलग-अलग किस्मों के दूध की कीमतों में उनकी लागत के हिसाब से संशोधन किया गया है। टोंड दूध के एक लीटर पाउच की कीमत भी 60 रुपये से बढ़ाकर 62 रुपये कर दी गई है। डबल टोंड दूध अब 54 रुपये के बजाय 56 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। इसके अलावा गाय के दूध की कीमत 62 रुपये से बढ़ाकर 65 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। इस तरह गाय के दूध के दाम में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। नई कीमतें लागू होने के बाद इन सभी किस्मों के दूध के लिए उपभोक्ताओं को अधिक भुगतान करना होगा। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर के बाजार में प्रतिदिन करीब 35 लाख लीटर दूध बेचती है। कंपनी की कुल दैनिक दूध बिक्री 50 लाख लीटर से अधिक है। इस तरह कंपनी देश के प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ताओं में शामिल है। दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में परिवारों की दूध की जरूरतें मदर डेयरी के माध्यम से पूरी होती हैं। कीमतों में बढ़ोतरी का असर इस बड़े उपभोक्ता वर्ग पर पड़ेगा। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में बेहतर मांग के दम पर अपने कारोबार में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। उसका कुल कारोबार बढ़कर 20,300 करोड़ रुपये हो गया था। इस दौरान दूध उत्पादों और खाद्य तेलों की मांग में बढ़ोतरी ने कारोबार को आगे बढ़ाने में योगदान दिया। कंपनी दूध और उससे जुड़े उत्पादों के अलावा खाद्य तेलों के कारोबार में भी सक्रिय है। वर्ष 1974 में स्थापित मदर डेयरी राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। कंपनी का दूध कारोबार मुख्य रूप से किसानों से खरीद और उपभोक्ताओं तक आपूर्ति की व्यवस्था पर आधारित है।

अर्शदीप के आने से मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी मजबूत हुई : इरफान पठान





मुम्बई (यशभारत)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के आने से मुम्बई इंडियंस टीम और भी मजबूत हो गयी है। अर्शदीप ट्रेड डील में हार्दिक पांड्या के पंजाब में जाने से बदले में मुम्बई इंडियंस को मिले हैं। इस ट्रेड डील के बाद से क्रिकेट जगत में हलचल मची हुई है। इसी को लेकर पठान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। पठान का मानना है कि अर्शदीप के आने से मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का और भी प्रभावी तरीके से इस्तेमाल करने का अवसर मुम्बई को मिलेगा, साथ ही टीम के विदेशी खिलाड़ियों के स्लॉट पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा।

इरफान पठान का मानना है कि अर्शदीप के आने से मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी में जबरदस्त गहराई आयी है। साथ ही कहा कि टीम के पास अब बुमराह के अलावा दीपक चाहर, ट्रेंट बोल्ट और अर्शदीप सिंह जैसे अनुभवी गेंदबाज हो गये हैं। ये सभी गेंदबाज पावरप्ले में विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में डालने की क्षमता भी रखते हैं। इसके अतिरिक्त टीम के पास बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार का विकल्प भी उपलब्ध है, जिन्होंने फ्रेंचाइजी के लिए अपने 10 मुकाबलों में 17 विकेट हासिल किए हैं, जिससे शुरुआती ओवरों में कप्तान के पास कई विकल्प होंगे। वहीं डेथ ओवरों की बात करें तो, मुंबई इंडियंस के लिए अर्शदीप और बुमराह मिलकर विरोधी बल्लेबाजी को धवस्त कर सकते हैं। ये दोनों ही गेंदबाज दबाव की परिस्थितियों में शानदार गेंदबाजी करने और महत्वपूर्ण समय पर विकेट निकालने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में मुंबई के पास पारी के दो अहम चरणोंङ्क पावरप्ले और डेथ ओवर में विकेट लेने वाले कई मजबूत विकल्प होंगे। यह कप्तान को गेंदबाजी में रणनीति बनाने की अधिक आजादी देने के साथ ही प्रयोगों में लचीलापन रखने की अनुमति देंगे। कुल मिलाकर, देखा जाये तो अर्शदीप के आने के बाद मुंबई टीम का गेंदबाजी संयोजन काफी मजबूत नजर आ रहा है, जो आईपीएल 2027 में विपक्षी टीमों के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने और अर्शदीप के मुंबई में आने से दोनों टीमों की किस्मत पर क्या असर पड़ता है।

आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ के सामने अलग पहचान बनाने की दोहरी चुनौती

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के दो महान दिग्गजों, वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़, जिन्होंने अपने खेल से अनगिनत प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई, अब उनके बेटों - आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ ने भी क्रिकेट के मैदान पर कदम रखा है। इन युवा खिलाड़ियों के सामने अपने पिता की अविश्वसनीय विरासत को आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपनी एक अलग पहचान स्थापित करने की दोहरी चुनौती है, जिसने क्रिकेट जगत में उत्सुकता पैदा कर दी है।

हाल ही में अंडर-19 एशिया कप में आर्यवीर सहवाग ने यूएई के खिलाफ एक शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने 168 गेंदों पर 160 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और 7 छक्के शामिल थे, जो उनकी आक्रामक शैली और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता को दर्शाता है। वे नियमित रूप से क्रिकेट अकादमी में अभ्यास करते हैं और उनके पिता वीरेंद्र सहवाग स्वयं भी उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। दिलचस्प बात यह है कि वीरेंद्र सहवाग चाहते थे कि आर्यवीर क्रिकेट के बजाय फुटबॉल खेलें, लेकिन बेटे का रुझान आखिरकार क्रिकेट की ओर रहा। आर्यवीर का मानना है कि वे हर गेंद पर छक्का मारने की बजाय, पहले विकेट पर टिकने और फिर एक बड़ी पारी खेलने पर ध्यान





केंद्रित करते हैं। उन्हें अपने सरनेम सहवाग पर गर्व है और यह उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है।

वहीं, राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ भी अपनी क्रिकेट प्रतिभा को निखारने में लगे हैं। उन्होंने एशियन यूथ गेम्स में श्रीलंका के खिलाफ 67 गेंदों पर 87 रनों की प्रभावी पारी खेली थी। अन्वय कर्नाटक की अंडर-14 और अंडर-16 टीमों के लिए भी खेल चुके हैं और नियमित रूप से विकेटकीपिंग का अभ्यास करते हैं, जो उनके पिता राहुल द्रविड़ की तरह बहुमुखी प्रतिभा का संकेत है, जिन्होंने 2003 विश्व कप में भारतीय टीम के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभाली थी। अन्वय को बल्लेबाजी की तकनीकी बारीकियां समझने में अपने पिता से मूल्यवान मार्गदर्शन मिलता है। हालांकि, यूएई और पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही के मैचों में वे लंबी पारी नहीं खेल सके, लेकिन क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी युवा खिलाड़ी का भविष्य कुछेक मैचों के प्रदर्शन से नहीं आँका जा सकता।

भारतीय क्रिकेट को इन दोनों युवाओं से काफी उम्मीदें हैं, लेकिन यह भी सत्य है कि केवल किसी महान खिलाड़ी का बेटा होना सफलता की गारंटी नहीं होता। इसके लिए निरंतर कड़ी मेहनत, अनुशासन, ठोस तकनीक, अच्छी फिटनेस और मानसिक मजबूती अनिवार्य है। एक तरफ आर्यवीर में सहवाग जैसी आक्रामक बल्लेबाजी की झलक देखने की उम्मीद की जा रही है, तो दूसरी तरफ अन्वय में राहुल द्रविड़ की तरह तकनीकी रूप से मजबूत और धैर्यवान क्रिकेटर बनने की संभावनाएं दिखाई देती हैं। अभी इनके करियर की शुरुआत है, और इन्हें अनावश्यक दबाव के बिना आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी विशिष्ट प्रतिभा से भारतीय क्रिकेट में एक अलग और यादगार मुकाम हासिल कर सकें।

मुंबई इंडियंस, नये कप्तान का चयन सोच समझकर समय आने पर करेगी

मुम्बई (यशभारत)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से ठीक पहले कप्तान हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने से अब मुंबई इंडियंस को नये कप्तान की घोषणा करनी है। इसी को लेकर फ्रैंचाइजी प्रबंधन का कहना है कि सोच विचार के बाद ही सही समय पर नये कप्तान की घोषणा कर दी जाएगी। इस घोषणा के बाद से ही पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाऐं शुरु हो गयी हैं। रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और युवा तिलक वर्मा भी कप्तान के दावेदार माने जा रहे हैं।

मुंबई इंडियंस ने कहा है कि आगामी सत्र को देखते हुए फ्रेंचाइजी अपने कप्तानी विकल्पों का आंकलन सोच-समझकर करेगी। टीम की कप्तानी को लेकर घोषणा समय आने पर ही की जाएगी। यह बयान दर्शाता है कि टीम मैनेजमेंट किसी भी जल्दबाजी में नहीं है और वे टीम के भविष्य के नेतृत्व के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प तलाश रहे हैं। फ्रेंचाइजी के लिए यह फैसला आगामी रिटेंशन डेडलाइन और मिनी ऑक्शन की रणनीति के लिहाज से



भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख 17 नवंबर है, जबकि 16 दिसंबर को गोवा में मिनी ऑक्शन का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में, मुंबई इंडियंस को अपनी टीम का संयोजन और उसके नेतृत्व दोनों को इन महत्वपूर्ण तिथियों से पहले तय करना होगा। हार्दिक का मुंबई इंडियंस के साथ एक लंबा और सफल सफर समाप्त हो गया है। उन्होंने 2015 में मुंबई के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और एक युवा खिलाड़ी से दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर के रूप में उभरे थे। उन्होंने मुंबई को चार आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी।ट्रेड डील के तहत, हार्दिक पांड्या अब पंजाब किंग्स में चले गये हैं। अब सभी की निगाहें मुंबई इंडियंस की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं कि आईपीएल 2027 में कौन सा खिलाड़ी पांच बार की चैंपियन टीम का नेतृत्व करेगा। यह एक ऐसा निर्णय है जो टीम के आगामी प्रदर्शन पर गहरा प्रभाव डालेगा।

अगले माह होंगे भारतीय ओलंपिक संघ चुनाव, 30 महासंघ करेंगे मतदान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी परिषद के बहुप्रतीक्षित चुनाव 5 दिसंबर को होने जा रहे हैं, जिसमें देश के 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के प्रतिनिधि नए नेतृत्व का चुनाव करेंगे। हालांकि, इस चुनावी प्रक्रिया में राष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई), भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) और इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) जैसे कुछ महत्वपूर्ण खेल महासंघों को अपनी आंतरिक समस्याओं के कारण मतदान से बाहर कर दिया गया है। , जिससे आगामी चुनावों में कुछ बड़े खेलों की अनुपस्थिति स्पष्ट हो गई है।

कुल 71 मतदाता आईओए के अगले शीर्ष अधिकारियों का चुनाव करेंगे। इसमें मुक्केबाजी महासंघ को उसकी गहरी आंतरिक गुटबाजी के चलते बाहर रखा गया है, जो भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक चिंताजनक स्थिति पैदा करता है। इसी प्रकार, तदर्थ समिति द्वारा संचालित टीटीएफआई को भी मतदान का अधिकार नहीं मिला है। इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) के मामले में बाधा यह है कि इसके एक गुट को आईओए और दूसरे को खेल मंत्रालय ने मान्यता दे रखी है, जिसके परिणामस्वरूप उसे भी निर्वाचक मंडल से बाहर रखा गया है। यह उन महासंघों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जिन्हें अपनी आंतरिक संरचनाओं को ठीक करने की आवश्यकता है ताकि वे भारतीय ओलंपिक परिवार का सक्रिय हिस्सा बने रह सकें।

निर्वाचक मंडल में शामिल 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों को पांच दिसंबर के चुनाव के लिए एक पुरुष और एक महिला प्रतिनिधि नामित करना होगा।

रंग संसार

गुजरात बोर्ड की टॉपर पायल ने की है कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड अभिनेत्री पायल रोहतगी अपने बेबाक अंदाज और निजी जिंदगी से जुड़े खुलासों के कारण अक्सर चर्चा में रहती हैं। पायल ने फिल्मों से लेकर रियलिटी शोज तक अपनी अलग पहचान बनाई है। बड़े पर्दे पर अभिनय करने के साथ-साथ उन्होंने छोटे पर्दे के कई लोकप्रिय कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया है। बिग बॉस से लेकर लॉकअप तक उनका सफर दर्शकों के बीच खासा चर्चित रहा है। पायल रोहतगी का जन्म 9 नवंबर 1980 को हैदराबाद में हुआ था। पढ़ाई में अच्छी रहने वाली पायल ने कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। वह गुजरात बोर्ड की टॉपर भी रह चुकी हैं। हालांकि, पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका रुझान अभिनय और मॉडलिंग की ओर बढ़ने लगा। साल 2000 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके बाद मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और कई विज्ञापनों में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में भी अवसर मिलने लगे। पायल ने साल 2002 में फिल्म ये क्या हो रहा है से बॉलीवुड में शुरुआत की। इसके बाद वह तुमसे मिलकर, प्लान, पुलिस फोर्स-एन इनसाइड स्टोरी, रक्त, तौबा तौबा, लैला-ए-मिस्ट्री और चेतना-द एक्साइटमेंट जैसी फिल्मों में नजर आई। साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म 36 चाइना टाउन में उन्होंने ग्रेसी का किरदार निभाया था। इसी साल वह फिल्म कॉरपोरेट में भी दिखाई दीं।

इसके अलावा ढोल, हे बेबी, अपना सपना मनी मनी, उगली और पगली, दिल कबड्डी और वैलेंटाइंस नाइट जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया। फिल्मों के साथ पायल ने टेलीविजन पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। साल 2008 में वह बिग बॉस 2 में शामिल हुईं। शो में उनके बेबाक व्यवहार ने खूब सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्होंने राज पिछले जन्म का, जोर का झटका, सर्वाइवर इंडिया, नच बलिए 7 और बिग बॉस 7 जैसे कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। धारावाहिकों में भी उन्होंने काम किया, जिनमें हमने ली है शपथ, हमसफर्स, एजेंट राघव और सूर्यपुत्र कर्ण शामिल हैं। साल 2022 में पायल कंगना रनौत के रियलिटी शो लॉकअप में नजर आईं। यहां उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई निजी किस्से साझा किए और अपने खेल से दर्शकों का ध्यान खींचा। वह शो की पहली रनरअप रहीं। पायल की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही है।

ओट्टनथुल्लल देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए: सोना महापात्रा

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में प्रसिद्ध गायिका सोना मोहपात्रा ने केरल में दीपावली का पावन पर्व मनाया। इस दौरान वे पारंपरिक कला रूप ओट्टनथुल्लल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गईं। सोना मोहपात्रा ने इस अनूठी कला के बारे में विस्तार से बताते हुए अपने अनुभव साझा किए। सोना मोहपात्रा ने अपनी केरल यात्रा और इस शानदार प्रदर्शन को देखने की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। उन्होंने इसे संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने का एक अद्भुत संगम बताया। गायिका ने अपने अनुभव में लिखा, केरल में हमारी शानदार दीपावली की छुट्टियों की एक छोटी-सी झलक। परिवार, त्योहार, खाना, बैकवाटर और भी बहुत कुछ, लेकिन इस यात्रा का सबसे बड़ा हाईलाइट ओट्टनथुल्लल का यह असाधारण प्रदर्शन है। दो कलाकार, एक मृदंगम, संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने की पूरी दुनिया। इसे देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गई और आखिर में मेरी आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शन में द्रौपदी द्वारा भीम को खुशबूदार कल्याण सौगंधिकम फूल की खोज में भेजने की कहानी को इतने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया कि वे पूरी तरह से उसमें खो गईं। गायिका ने कलाकारों की अद्भुत प्रतिभा का वर्णन करते हुए बताया कि कैसे मुख्य कलाकार पलक झपकते ही एक किरदार से दूसरे किरदार में बदल रहे थे, केरल की लोक और शास्त्रीय संगीत परंपराओं से लिए गए बेहद मुश्किल गीतों को गा रहे थे, और अद्भुत शारीरिक ऊर्जा के साथ नृत्य कर रहे थे। उनके भाव, आवाज़, मूड और व्यक्तित्व को हैरान कर देने वाली आसानी से बदलने की क्षमता ने सबको चौंका दिया। एक गायिका के तौर पर, सोना इस सांस पर नियंत्रण और कलात्मक महारत को देखकर विश्वास नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने मृदंगम वादक को वन-मैन ऑर्केस्ट्रा बताया, जो नाटकीय प्रभावों, लयबद्ध बातचीत, ठहराव और संगीत की शरारतों से भरा पूरा साउंडस्केप बना रहे थे, साथ ही कोरस की भूमिका भी निभा रहे थे। सोना ने बताया कि कैसे सिर्फ दो लोगों ने अपनी कला की महारत से पूरे दर्शकों को बांधे रखा। इस प्रदर्शन में कॉमेडी का भी एक अनूठा पहलू था ङ्क तेज, सहज और बेहद समझदारी भरी। कलाकार दर्शकों में से अनजान लोगों को चुनकर सबको कहानी में शामिल करते थे, और बिना किसी सस्ते अपमान के सबको हंसाते थे। सोना ने यह भी बताया कि यह कला सिर्फ मंदिर, ऑडिटोरियम या हेरिटेज फेस्टिवल तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक लिविंग रूम, शादी, कॉर्पोरेट कार्यक्रम, गांव के चौक या किसी अंतरराष्ट्रीय मंच को भी रोशन कर सकती है।





गुरमीत के लिए भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है मिर्जापुर

मुंबई (यशभारत)। निर्देशक गुरमीत सिंह के लिए वेब सीरीज मिर्जापुर केवल एक सफल प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है। गुरमीत सिंह का मानना है कि किसी भी फिल्म या सीरीज को बनाते समय सबसे जरूरी काम लेखक की मूल भावना को समझना और उसे पूरी ईमानदारी के साथ पर्दे पर उतारना है।

गुरमीत सिंह के मुताबिक, स्क्रिप्ट पढ़ते समय जो रोमांच और उत्साह महसूस होता है, वही अनुभव दर्शकों तक पहुंचना चाहिए। गुरमीत सिंह ने मिर्जापुर फ्रेंचाइजी और इससे जुड़ी फिल्म के रचनात्मक पक्ष पर बात करते हुए बताया कि इसकी कहानी निर्देशक के सामने काम करने के लिए काफी सामग्री और चुनौतियां रखती है। ऐसे में उनका ध्यान दूसरी छोटी-छोटी बातों के बजाय कहानी की मूल भावना पर रहता है। उनके अनुसार, जब स्क्रिप्ट मजबूत होती है और उसमें दर्शकों को बांधे रखने की क्षमता होती है, तो निर्देशक का मुख्य काम उसे सही तरीके से पर्दे पर प्रस्तुत करना होता है। उन्होंने बताया कि किसी भी कहानी को फिल्माने से पहले यह समझना जरूरी है कि लेखक ने कागज पर क्या लिखा है और उस विचार को दर्शकों के सामने किस रूप में पेश किया जा सकता है। वह चाहते थे कि स्क्रिप्ट पढ़ते समय उन्हें और उनकी टीम को जो उत्साह महसूस हुआ, वही उत्साह दर्शकों को भी देखने को मिले। उनके लिए निर्देशन का असली उद्देश्य कहानी के जादू को बिना अनावश्यक बदलाव के जीवंत करना है। गुरमीत सिंह ने यह भी

रहमान की संगीत प्रतिभा की घई ने की जमकर तारीफ

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में बॉलीवुड फिल्म निर्माता और निर्देशक सुभाष घई ने संगीतकार ए. आर. रहमान के भारतीय संगीत उद्योग में अतुलनीय योगदान किया और उन्हें संगीत का वरदान बताया है। सोशल मीडिया पर घई ने रहमान के साथ एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने रहमान की असाधारण संगीत प्रतिभा और किसी भी संस्कृति या शैली के अनुसार खुद को ढाल लेने की क्षमता की खूब सराहना की।

रहमान को घई ने हमारे ब्रह्मांड से मिली एक वरदान जैसी प्रतिभा कहकर संबोधित किया। इस दौरान सुभाष घई ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म ताल के लिए रहमान से संपर्क करने का एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार 1999 की इस फिल्म के लिए रहमान को संगीत का प्रस्ताव दिया तो वे काफी घबराए हुए थे। तत्कालीन परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें यह आशंका थी कि रहमान शायद हिंदी फिल्मों के संगीत से उतना वाकिफ न हों या हिंदी गानों



के लिए वे कितने सहज होंगे। हालांकि, उनकी चिंता तब थोड़ी दूर हुई जब रहमान ने उन्हें बताया कि उन्होंने कभी उनकी ही फिल्म हीरो के लिए बांसुरी बजाई थी। इस जानकारी से घई को राहत मिली और उन्हें विश्वास हो गया कि रहमान भारतीय संगीत की बारीकियों से अच्छी तरह परिचित हैं। सुभाष घई ने इस बात पर जोर दिया कि ए. आर. रहमान ने लगान, रंग दे बसंती और रॉकस्टार जैसी फिल्मों के माध्यम से बॉलीवुड की संगीत संस्कृति को पूरी तरह से बदल दिया। उनकी अद्वितीय संगीत रचनाओं ने हिंदी सिनेमा को एक नई दिशा दी और श्रोताओं को एक बिल्कुल नया अनुभव प्रदान किया।

उन्होंने यह भी बताया कि रहमान ने अपने हिंदी गाने जय हो के लिए प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार भी जीता, जिससे भारतीय संगीत को वैश्विक मंच पर पहचान मिली। घई के अनुसार, ए. आर. रहमान में किसी भी देश और किसी भी संस्कृति की किसी भी आवाज़ को सीखकर उसे संगीत में बदल देने की अद्भुत क्षमता है। वे हर तरह की फिल्म और हर जगह के हर निर्देशक के साथ सफलतापूर्वक काम करते हैं।

वीवीआईपी मूवमेंट के चलते राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, कई राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री आज पहुंचेंगे भोपाल

भोपाल यश भारत।

राजधानी भोपाल में आज एक बार फिर बड़ा वीवीआईपी मूवमेंट रहेगा, जिसके चलते पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की माताजी के त्रयोदशी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए देश भर से कई राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ राजनीतिक हस्तियां भोपाल पहुंच रही हैं। इस वीवीआईपी जमावड़े को लेकर शहर के प्रमुख मार्गों और कार्यक्रम स्थल के आसपास विशेष सतर्कता बरती जा रही है।प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस





गरिमामयी कार्यक्रम में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के शामिल होने का आधिकारिक कार्यक्रम है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी विशेष रूप से भोपाल पहुंच रहे हैं।

कई राज्यों के कृषि मंत्री और दिग्गज नेता होंगे शामिल- विशिष्ट मेहमानों की सूची में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार और पंजाब के कृषि मंत्रियों के भी शामिल होने की पूरी संभावना है। वहीं, पश्चिम बंगाल से भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी भी इस आयोजन में शिरकत करने राजधानी आ रहे हैं।

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

एक साथ देश के कई प्रमुख राजनेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों के आगमन को देखते हुए खुफिया एजेंसियों और स्थानीय पुलिस प्रशासन को पूरी तरह अलर्ट कर दिया गया है। वीवीआईपी मूवमेंट, उनके काफिले के आवागमन के रास्तों और कार्यक्रम स्थल के आसपास सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

एमपी में नए डीजीपी की रेस

20 नवंबर को यूपीएससी की बैठक में तय होंगे नाम, 23 से पहले आ सकता है बड़ा फैसला

भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक के चयन को लेकर प्रशासनिक गलियारों में काउंटडाउन शुरू हो गया है। संघ लोक सेवा आयोग ने इस अहम प्रक्रिया के तहत 20 नवंबर को दोपहर 3 बजे नई दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठकबुलाई है। इस बैठक में प्रदेश के नए पुलिस मुखिया के लिए योग्य नामों पर मंथन किया जाएगा, जिसके बाद तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का पैनल तैयार कर राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

बैठक में तय होगी राज्य के अगले मुखिया की तस्वीर

दिल्ली में होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रशासनिक स्तर पर कई दिग्गज शामिल होंगे। इनमें मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय शुक्लाऔर वर्तमान डीजीपी कैलाश मकवाणा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यूपीएससी की मुहर लगने के बाद तैयार होने वाले तीन नामों के पैनल में से ही राज्य सरकार किसी एक अनुभवी चेहरे को प्रदेश की कमान सौंपेगी।

इस चयन प्रक्रिया के समीकरणों में एक अहम बदलाव भी देखने को मिला है। शुरुआती सूची में 12 आईपीएस अधिकारियों के नाम शामिल थे, लेकिन विशेष पुलिस महानिदेशक जी. अखोटे द्वारा अपनी दावेदारी वापस लिए जाने के बाद अब मैदान में 11 वरिष्ठ अधिकारी ही बचे हैं। 20 नवंबर को होने वाली बैठक में इन्हीं 11 अधिकारियों की वरिष्ठता, उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड और पात्रता के मानकों पर बारीकी से समीक्षा होगी।



रेस में जिन प्रमुख नामों पर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, उनमें:

विशेष पुलिस महानिदेशक उपेंद्र जैन
प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव
वरुण कपूर
पंकज श्रीवास्तव
आदर्श कटियार
सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। हालांकि, अंतिम मुहर यूपीएससी के पैनल पर ही निर्भर करेगी।

23 नवंबर से पहले आ सकता है बड़ा प्रशासनिक फैसला

इस पूरी प्रक्रिया में 23 नवंबर की तारीख बेहद अहम मानी जा रही है। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 23 नवंबर को एक महत्वपूर्ण विदेश दौरे पर रवाना होने वाले हैं। ऐसे में प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में इस बात के कयास तेज हो गए हैं कि मुख्यमंत्री के विदेश दौरे से ठीक पहले नए डीजीपी के नाम का औपचारिक ऐलान किया जा सकता है, ताकि कार्यभार संभालने की प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के पूरी हो सके। फिलहाल, सभी की निगाहें 20 नवंबर को दिल्ली में होने वाली बैठक पर टिकी हैं।

शाहपुरा की मल्टी में देर रात जमकर उत्पात, वाहनों में तोड़फोड़ और रहवासियों को धमकी

रात 2:30 बजे शुरू हुआ हंगामा, विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी

भोपाल , यश भारत।

शाहपुरा थाना क्षेत्र के इंद्रानगर स्थित मल्टी में देर रात कुछ लोगों ने जमकर हंगामा किया। आरोप है कि बदमाशों ने मल्टी के बाहर खड़ी बाइक और लोडिंग ऑटो में तोड़फोड़ की। विरोध करने पर फरियादी के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी गई। मामले में राकेश यादव की शिकायत पर शाहपुरा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत के मुताबिक घटना रात करीब 2:30 बजे की है।



फरियादी की शिकायत पर FIR दर्ज

फरियादी राकेश यादव ने घर के नीचे चिल्लाने की आवाज सुनी तो बाहर निकलकर देखा। वहां सचिन हिरे उर्फ अंजू और जय सिंह तोमर उर्फ चमन कथित तौर पर बाइक और लोडिंग ऑटो में तोड़फोड़ कर रहे थे। जब फरियादी ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में आगे बताया गया कि सुबह करीब 4:30 बजे रोहित पुवारे, सुमित सांकलें, सतीश सांवले और राहुल मीणा भी मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इन लोगों ने मल्टी के बाहर खड़े वाहनों में दोबारा तोड़फोड़ की और रहवासियों को जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद दहशत के चलते फरियादी उसी दिन थाने में शिकायत दर्ज कराने नहीं पहुंच सका। बाद में उसने शाहपुरा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

अमिताभ बच्चन की 95 वर्षीय सास इंदिरा भादुड़ी की तबीयत बिगड़ी, भोपाल के पारुल अस्पताल में भर्ती

भोपाल, यशभारत। सुपरस्टार अमिताभ बच्चन की 95 वर्षीय सास और जया बच्चन की माता इंदिरा भादुड़ी की तबीयत अचानक बिगड़ गई है, जिसके बाद उन्हें भोपाल के पारुल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। परिजनों के अनुसार, उन्हें एलर्जी की शिकायत है। यह परेशानी उन्हें बीच-बीच में सामने आती है, और स्वास्थ्य अधिक बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल लाया गया। फिलहाल उनकी सेहत में सुधार बताया जा रहा है और डॉक्टर लगातार उनकी रिकवरी पर नजर बनाए हुए हैं। अस्पताल से उन्हें कब छुट्टी मिलेगी, इस पर अभी



कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि स्वास्थ्य में सुधार और रिकवरी के आधार पर ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। गौरतलब है कि इंदिरा भादुड़ी का परिवार शहर के श्यामला हिल्स स्थित अंसल अपार्टमेंट में रहता है। इससे पहले फरवरी 2020 में अमिताभ बच्चन अपनी सास का 90वां जन्मदिन मनाने भोपाल आए थे। वहीं, अक्टूबर 2024 में भी तबीयत बिगड़ने पर जया बच्चन और अभिषेक बच्चन भोपाल पहुंचे थे।

यात्रियों की आड़ में नशा तस्करी: बस-ट्रेन के बाद अब होटल के कमरे बने सेफ जोन

भोपाल, यशभारत। राजधानी में नशे का कारोबार अब नए और बेहद शातिर तरीकों से पैर पसार रहा है। सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस की सख्ती के बाद ड्रग्स तस्करों ने पार्सल सेवाओं के बजाय यात्री परिवहन और निजी कमरों को अपना नया ठिकाना बना लिया है। तस्कर अब लंबी दूरी की बसों और ट्रेनों में आम यात्रियों के बीच सफर करते हुए करोड़ों का नशा खपा रहे हैं, वहीं स्थानीय स्तर पर होटलों को डिलीवरी पॉइंट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। पुलिस और डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस द्वारा सितंबर से नवंबर के बीच की गई 9 बड़ी कार्रवाइयों में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इस अवधि में कुल 27 किलो 692 ग्राम से अधिक नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 20



करोड़ रुपए से ज्यादा आंकी गई है।

हॉर्लिक्स के जार और यात्रियों के बैग बने तस्करी का जरिया- जांच में सामने आया है कि अंतरराज्यीय तस्कर कानून की आंखों में धूल झोंकने के लिए सार्वजनिक परिवहन का धड़ल्ले से उपयोग कर रहे हैं। दिल्ली से बेंगलुरु जाने वाली बस हो, दिल्ली-भोपाल रूट हो या चेन्नई से दिल्ली जाने वाली ट्रेन, तस्कर यात्रियों के बीच सामान्य बैग और पैकेट में ड्रग्स लेकर चल रहे हैं। हाल ही में चेन्नई से दिल्ली आ रही ट्रेन में एक महिला तस्कर के पास से हॉर्लिक्स के जार में छिपाई गई 591 ग्राम कोकीन कीमत लगभग 2.96 करोड़ रुपए बरामद हुई। वहीं, दिल्ली-भोपाल रूट की बसों से एम्फेटामाइन और मेथामफेटामाइन जैसी सिंथेटिक ड्रग्स भारी मात्रा में पकड़ी गई हैं।

बागसेवनिया होटल कार्रवाई: ग्राहक का इंतजार कर रहा युवक गिरफ्तार- परिवहन के माध्यमों के अलावा स्थानीय स्तर पर होटलों की आड़ में अवैध कारोबार चल रहा है। इस कड़ी में ताजा कार्रवाई करते हुए भोपाल क्राइम ब्रांच ने बागसेवनिया इलाके के एक होटल में दबिश दी। पुलिस ने अनिल राठौर 34 वर्ष, निवासी सीहोर को गिरफ्तार किया है, जो होटल के कमरे में एमडी ड्रग्स रखकर ग्राहकों का इंतजार कर रहा था। आरोपी के पास से मोबाइल और अन्य सामग्री जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई खेप में एम्फेटामाइन, मेथामफेटामाइन, कोकीन और एमडी जैसे खतरनाक नशीले पदार्थ शामिल हैं। पुलिस अब वड़ोदरा से एमडी लाकर शहर के पॉश इलाकों, क्लबों और बारों में सप्लाई करने वाले तथा होटलों से संचालन करने वाले इस पूरे सिंडिकेट के मुख्य सरगनाओं और अन्य चेहरों की तलाश में जुटी है।

भोपाल में अब मेट्रो सफर हुआ स्मार्ट

आज से एनसीएमसी कार्ड और क्यूआर टिकटिंग की सुविधा शुरू, कतारों से मिली मुक्ति

भोपाल, यशभारत।

राजधानीवासियों के लिए सार्वजनिक परिवहन का सफर अब और अधिक आधुनिक और सुविधाजनक हो गया है। भोपाल और इंदौर मेट्रो में आज से नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड की सुविधा आधिकारिक रूप से शुरू कर दी गई है। इस नई व्यवस्था के तहत यात्रियों को अब हर बार टिकट काउंटर पर लंबी लाइनों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एटीएम कार्ड की तर्ज पर मिलने वाले इस स्मार्ट कार्ड के जरिए यात्री आसानी से मेट्रो स्टेशनों पर आ जा सकेंगे। मेट्रो प्रबंधन के अनुसार, एनसीएमसी कार्ड प्राप्त करने के लिए यात्रियों को चुनिंदा स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर 50 रुपये नॉन-रिफंडेबल का शुल्क देना होगा। एक बार कार्ड बन जाने के बाद इसे अपनी जरूरत के हिसाब से रिचार्ज कराया जा सकता है। इस कार्ड की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसका उपयोग सिर्फ भोपाल और इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के अन्य महानगरों जैसे दिल्ली और मुंबई में भी जहां एनसीएमसी व्यवस्था लागू है, वहां इसका बेझिझक इस्तेमाल किया जा सकेगा। भोपाल में सुभाषनगर, केंद्रीय विद्यालय, डीबी मॉल, एमपी नगर, रानी



कमलापति, डीआरएम तिराहा, अलकापुरी और एम्स स्टेशनों पर यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

मात्र 30 सेकंड में स्वतः प्राप्त करें क्यूआर टिकट

स्मार्ट कार्ड के अलावा जो यात्री डिजिटल माध्यम से तुरंत सफर करना चाहते हैं, उनके लिए स्टेशनों पर टिकट वेंडिंग मशीनें भी चालू कर दी गई हैं। इन मशीनों पर स्क्रीन के जरिए व्ह्ह4 त्तक्र ञ्जद्बष्द्यद्गह्ल का विकल्प चुनकर और यूपीआई से भुगतान कर महज 30 सेकंड के भीतर अपना क्यूआर टिकट प्राप्त किया जा सकता है।

किराए में विशेष छूट और रियायतें

यात्रियों को प्रोत्साहित करने के लिए मेट्रो प्रशासन द्वारा किराए में विशेष छूट दी जा रही है। एनसीएमसी कार्ड या सिंगल जर्नी टिकट से यात्रा करने पर 25 प्रतिशत की छूट मिल रही है, जो उन यात्राओं पर लागू होगी जिनका किराया 20 रुपये से अधिक है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 31 दिसंबर 2026 तक विशेष प्रमोशनल डिस्काउंट दिए जा रहे हैं, जिसके तहत रिटर्न जर्नी टिकट पर 30%, ग्रुप टिकट पर 35% और ई-वॉलेट रिचार्ज पर 8 से 15% तक अतिरिक्त बोनस का लाभ मिल रहा है। इन उन्नत तकनीकी सुविधाओं के शुरू होने से दैनिक यात्रियों का सफर बेहद सुगम और समय बचाने वाला साबित होगा।

गोविन्दपुरा में 10 किलो गांजे के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

भोपाल, यशभारत। राजधानी की क्राइम ब्रांच पुलिस ने गोविन्दपुरा इलाके में 10 किलो 100 ग्राम अवैध गांजे के साथ एक महिला तस्कर को धर-दबोचा है। जप्त किए गए मादक पदार्थ की कुल कीमत करीब 3 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी महिला शहर में इस गांजे की बड़ी खेप खपाने की फिराक में थी। क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी अशोक मरावी ने बताया कि पुलिस टीम को मुखबिर के जरिए अत्यंत गोपनीय सूचना मिली थी कि गोविन्दपुरा क्षेत्र स्थित कस्तुरबा अस्पताल के सामने हनुमान मंदिर के पास एक संदिग्ध महिला हाथ में झोला लिए बैठी है। सूचना में बताया गया कि वह किसी ग्राहक का इंतजार कर रही है। इस पर क्राइम ब्रांच की टीम ने तुरंत बताए गए स्थान पर पहुंचकर दीवार की आड़ से घेराबंदी की और हुलिया के आधार पर महिला को दबोच लिया। पकड़ी गई महिला से जब पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम किरण अहिरवार उम्र 60 वर्ष, निवासी मकान नंबर 04, गली नंबर 02, कैंची छोला भोपाल बताया। महिला के पास मौजूद झोले की तलाशी लेने पर उसके अंदर पारदर्शी प्लास्टिक की



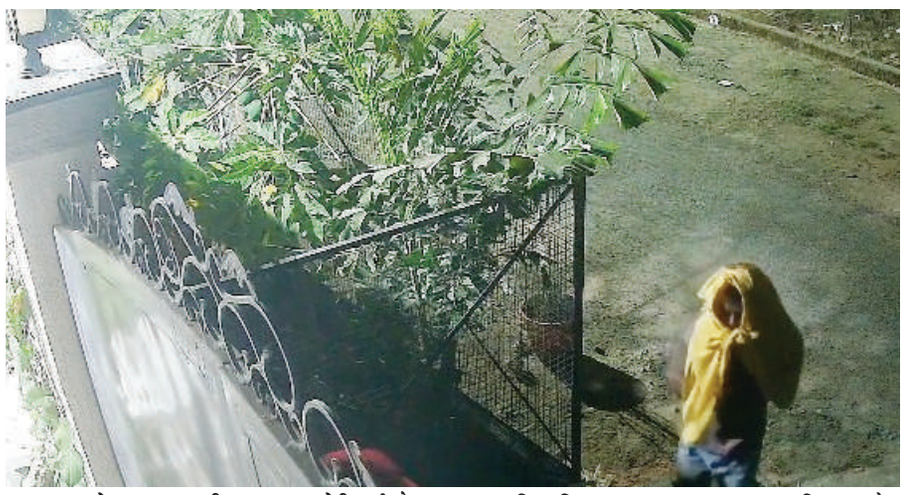
पन्नी में तीव्र गंधयुक्त वनस्पति पदार्थ (गांजा) मिला। तौल करने पर मादक पदार्थ का कुल वजन 10.100 किलोग्राम पाया गया है। पुलिस पूछताछ और रिकॉर्ड खंगालने पर सामने आया कि आरोपिया किरण अहिरवार आदतन अपराधी है और इसके खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत गंभीर मामले दर्ज हैं पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ थाना क्राइम ब्रांच में एनडीपीएस एक्ट तहत नया प्रकरण दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके।

पॉश कॉलोनियों में सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

एयरो सिटी में चोरों ने विला डी-111 को बनाया निशाना

भोपाल, यशभारत।

राजधानी के पॉश इलाकों में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। ताजा मामला गांधी नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली एयरो सिटी का है, जहाँ सेक्टर-डी स्थित विला नंबर डी-111 को चोरों ने बीती रात अपना निशाना बनाया। रात करीब 2 बजे हुई इस वारदात ने एक बार फिर रिहायशी इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की रात्रि गश्त की पोल खोल दी है। मिली जानकारी के अनुसार, सुनियोजित तरीके से दी गई इस चोरी की घटना से स्थानीय रहवासियों में भारी आक्रोश और असुरक्षा का माहौल है। पॉश कॉलोनियों में इस तरह की सेंधमारी यह सोचने पर मजबूर करती है कि जब वीआईपी और पॉश इलाके ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम बस्तियों का



क्या हाल होगा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। हालांकि, घर से किन-किन कीमती सामानों या नकदी की चोरी हुई है, इसका आधिकारिक खुलासा अभी तक नहीं हो सका है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि चोरों के आने-जाने के रास्तों और उनकी पहचान का सुराग मिल सके। क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन से रात के समय गश्त बढ़ाने और संदिग्धों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।



स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला, पी.जी.इंफ्रास्टचर एंड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी देवास रोड,इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 22/1,पगनिसपागा पालसिकर कॉलोनी बालनिकेतन स्कूल के पास , इंदौर (म.प्र) 452007 से प्रकाशित | संपादक अम्बरीष तिवारी * प्रबंध संपादक अमरीश पचोरिया*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे RNI No .MPHIN/26/A1896 फ़ोन - 9111201000 email - indoreyashbharat@gmail.com , (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समचार चयन के लिए जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)